सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 127 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, बुधवार 18 फरवरी 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

इंडिया एआई इम्पैक्ट एक्सपो-2006 विचारों, नवाचार और इरादों का शक्तिशाली संगम : पीएम मोदी

नई दिल्ली (ए.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इंडिया एआई इम्पैक्ट एक्सपो 2026 की मुख्य विशेषताओं को साझा करते हुए कहा कि यह विचारों, नवाचार और इरादों का एक शक्तिशाली संगम था।

पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, इंडिया एआई इम्पैक्ट एक्सपो 2026 विचारों, नवाचार और इरादों का एक शक्तिशाली संगम था। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, इसने वैश्विक भलाई के लिए एआई के भविष्य को आकार देने में भारतीय प्रतिभा की असाधारण क्षमता को प्रदर्शित किया। सबसे बढ़कर, इसने मानव प्रगति के लिए एआई का जिम्मेदारपूर्वक, समावेशी रूप से और व्यापक स्तर पर उपयोग करने की हमारी प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

इससे पहले सोमवार को, प्रधानमंत्री मोदी ने भारत मंडपम में इंडिया एआई इम्पैक्ट एक्सपो 2026 का उद्घाटन किया और कहा कि एआई में भारत की प्रगति न केवल देश के लिए

परिवर्तनकारी समाधानों को आकार देगी बल्कि वैश्विक उन्नति में भी योगदान देगी।

पीएम मोदी ने कहा कि नवप्रवर्तकों, शोधकर्ताओं और तकनीकी उत्साही लोगों के बीच रहने से एआई, भारतीय प्रतिभा और नवाचार की असाधारण क्षमता की झलक मिलती है। प्रधानमंत्री ने आगे कहा था, हम मिलकर न केवल भारत के लिए बल्कि दुनिया के लिए भी समाधान तैयार करेंगे।

यह एक्सपो इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट के साथ आयोजित किया जा रहा है, जो ग्लोबल साउथ में आयोजित होने वाला पहला वैश्विक एआई सम्मेलन है। इसमें 20 से अधिक राष्ट्राध्यक्ष, 60 मंत्री और 500 वैश्विक एआई नेता भाग लेने वाले हैं। राष्ट्राध्यक्षों और सरकार प्रमुखों, मंत्रियों, प्रौद्योगिकी नेताओं, शोधकर्ताओं और उद्योग जगत के हितधारकों को एक साथ लाया गया है। इंडिया-एआई इम्पैक्ट समिट का उद्देश्य एआई के प्रति प्रभाव-उन्मुख और जन-केंद्रित दृष्टिकोण को आगे बढ़ाना है।

खास-खबर

10 राज्यों की 37 राज्यसभा सीटों पर चुनाव का एलान

नई दिल्ली (ए.)। राज्यसभा की 37 सीटों पर चुनाव की तारीख का एलान कर दिया गया है। चुनाव आयोग ने बुधवार को बताया कि इन 37 सीटों के लिए 16 मार्च को मतदान होगा। इनमें महाराष्ट्र की सात, पश्चिम बंगाल और बिहार की 5-5 सीटों पर चुनाव कराया जाएगा। वहीं ओडिशा की चार, तमिलनाडु की छह, असम की तीन, छत्तीसगढ़ की दो, हरियाणा की दो, तेलंगाना की दो और हिमाचल प्रदेश की एक राज्यसभा सीट पर चुनाव होना है। 26 फरवरी को नोटिफिकेशन जारी होगा। 5 मार्च को नामांकन भरे जाएंगे और 6 मार्च को नामांकन पत्रों की जांच होगी। 9 मार्च तक नामांकन पत्र वापस लिए जा सकेंगे।

15 लोगों को मृत बताकर 1.19 करोड़ की निकाले

दुर्ग-भिलाई। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में पुलिस ने नेशनल पेंशन स्कीम में बड़े घोटाले का खुलासा किया है। फर्जी दस्तावेजों के जरिए 15 जीवित खाताधारकों के खाते से मृत्यु के बाद मिलने वाली राशि निकाल ली गई। इसके बदले खाताधारकों से 5 प्रतिशत कमीशन एडवांस में लिया गया। पुलिस ने मंगलवार को मास्टरमाइंड राजेश कनोजिया (44) को गिरफ्तार किया है। आरोपी बोरसी का रहने वाला है और ऑनलाइन सेवा केंद्र संचालित करता था। वह ग्राहकों से आधार कार्ड, पैन कार्ड और बैंक की जानकारी लेता था।

बिरनपुर हत्याकांड के 17 अभियुक्त दोषमुक्त

बेमेतरा। बेमेतरा जिले के बिरनपुर हत्याकांड में गिरफ्तार किये गये 17 लोगों को जिला कोर्ट में न्यायधीश ने फैसला सुनाते हुए दोषमुक्त कर दिया है। उक्त लोगों पर विधायक ईश्वर साहू के पुत्र की हत्या के बाद भड़के दंगे के दौरान पिता-पुत्र की हत्या करने का आरोप था। 8 अप्रैल 2023 को धार्मिक झंडे के नाम पर दो गुटों के बीच विवाद हुआ था। विवाद बढ़ने पर भुनेश्वर साहू की हत्या कर दी गई थी। 10 अप्रैल को गांव के ही रहीम और उसके बेटे ईदुल मोहम्मद की हत्या कर दी गई। ईश्वर साहू सम्प्रति विधायक हैं।

चूड़ी-प्रथा के बावजूद पत्नी गुजारा-भत्ता की हकदार

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने भरण-पोषण को लेकर एक अहम फैसला सुनाया है। कोर्ट ने कहा है कि केवल दूसरी शादी या चूड़ी प्रथा से विवाह के आरोप लगने भर से पत्नी को भरण-पोषण (गुजारा भत्ता) देने से इनकार नहीं किया जा सकता। हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि जब तक यह आरोप ठोस सबूतों से साबित नहीं हो जाता, तब तक पत्नी का भरण-पोषण का अधिकार खत्म नहीं किया जा सकता। इस मामले में कोर्ट ने पति की याचिका को खारिज कर दिया और पत्नी को भरण-पोषण देने के आदेश को सही माना। युवक की शादी 2009 में हुई थी। शादी के बाद पति-पत्नी की तीन बेटियां भी हैं। बेटी होने के बाद से पति-पत्नी के बीच विवाद शुरू हो गया और फिर वह अलग रहने लगी।

छत्तीसगढ़ में दो सगे भाई एक साथ बने आईएएस, पंचभाई को भी मिला अवसर

हर्षित अग्रवाल

रायपुर। छत्तीसगढ़ के राज्य प्रशासनिक सेवा के जिन सात अधिकारियों को आईएएस मिला है, उनमें तीर्थराज अग्रवाल, लीना कोसम, सौमिल चौबे, संदीप अग्रवाल, सुमित अग्रवाल, बीरेंद्र पंचभाई, आशीष टिकरिहा शामिल हैं।

लीना कोसम इस समय पीएससी की परीक्षा नियंत्रक है। सौमिल चौबे हार्वर्ड एवं ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में अध्ययनरत हैं। वह इसके पूर्व संचालक जनसंपर्क का दायित्व सम्हाल चुके हैं। संदीप अग्रवाल सीईओ जिला पंचायत बिलासपुर के रूप में पदस्थ हैं। 2013 पीएससी के टॉपर सुमित अग्रवाल को भी आईएएस बनाया गया है। बीरेन्द्र पंचभाई लंबे समय तक रायपुर में पोस्टेड रहे। इस समय बस्तर में कार्य कर रहे हैं। वहीं, तीर्थराज अग्रवाल इस समय वन और परिवहन मंत्री केदार कश्यप के ओएसडी हैं और आशीष टिकरिहा वित्त मंत्री ओपी चौधरी के ओएसडी हैं।

इसके साथ ही छत्तीसगढ़ के आईएएस कैडर में सात और अधिकारी शामिल हो गए। याने आईएएस अफसरों की संख्या अब सात और बढ़ गई।

जानिये कौन हैं पंच भाई

वीरेंद्र बहादुर पंच भाई दुर्ग जिले के रहने वाले हैं। मध्यप्रदेश के दौरान 1993 में उनका आरक्षित कोटे से नायब तहसीलदार में सलेक्शन हुआ था। वे कई साल तक अभनपुर में नायब तहसीदार और तहसीलदार रहे। इसके बाद 2010 वे राज्य प्रशासनिक सेवा में सलेक्ट हुए। रायपुर में वे लंबे समय तक अपर कलेक्टर रहे। नई सरकार आने के बाद उनका नारायणपुर ट्रांसफर किया गया। अभी वे नारायणपुर में अपर कलेक्टर हैं।

पिछले साल टल गया था मामला

सौमिल चौबे और पंचभाई को पिछले साल ही आईएएस अवार्ड हो गया होता। जीएडी के अधिकारियों के डीपीसी से वापिस लौटने के बाद वहां पता नहीं किस स्तर पर क्या हुआ कि आईएएस अवार्ड का पैरामीटर बदल गया था।

नायब-तहसीलदार से आईएएस

छत्तीसगढ़ के इतिहास में पहली बार कोई नायब तहसीलदार सलेक्ट हुआ अफसर आईएएस की देहरी तक पहुंच गया है। वीरेंद्र बहादुर पंच भाई को आईएएस अवार्ड के लिए हरी झंडी मिल गई है। महत्वपूर्ण यह है कि अविभाजित मध्यप्रदेश में अभी तक एक बार ही हुआ है, वो भी छत्तीसगढ़ के भिलाई के नायब तहसीलदार से राज्य प्रशासनिक सेवा में प्रमोट हुए अफसर को आईएएस अवार्ड हुआ था।

इसके अलावे अविभाजित मध्यप्रदेश में कोई और नायब तहसीलदार देश की सर्वोच्च सेवा तक नहीं पहुंचा। अभी तक नायब तहसीलदार अगर कम एज में सलेक्ट हो गए हों तो अधिक-से-अधिक अपर कलेक्टर तक पहुंच पाते हैं। वरना, डिप्टी कलेक्टर उनका आखिरी मुकाम होता है।

छत्तीसगढ़ में एक और नवाचार

डिजिटल किसान किताब और ऋण पुस्तिका प्रारंभ

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ में आज डिजिटल शासन की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की गई। राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा ने डिजिटल किसान किताब का औपचारिक शुभारंभ किया। इस अवसर पर उमेश कुमार पटेल और श्रीकांत वर्मा द्वारा लिखित छत्तीसगढ़ भू-अभिलेख नियमावली भाग 1 से 4 पुस्तक का भी विमोचन किया गया। यह पहल राज्य के किसानों और भूमिधारकों को आधुनिक, सरल और त्वरित सेवाएं उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेगा। इस अवसर पर संचालक भू अभिलेख श्री विनीत नन्दनवार सहित संबंधित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

डिजिटल किसान किताब पारंपरिक मैन्युअल किसान किताब का स्थान लेगी। इसके माध्यम से किसानों को अपनी भूमि संबंधी जानकारी कभी भी और कहीं से भी ऑनलाइन प्राप्त करने की सुविधा मिलेगी। यह सुविधा भुइया पोर्टल पर बी-1 एवं पी-2 रिपोर्ट के साथ उपलब्ध रहेगी, जिसे किसान आसानी से देख और डाउनलोड कर सकेंगे। डिजिटल प्रणाली में आवश्यक विवरण स्वत: अपडेट होते रहेंगे, जिससे जानकारी संशोधन के लिए कार्यालयों के चक्कर लगाने की आवश्यकता समाप्त होगी। साथ ही, संबंधित पटवारी द्वारा डिजिटल हस्ताक्षरित प्रमाणित प्रति उपलब्ध होने से दस्तावेजों की वैधता और पारदर्शिता भी सुनिश्चित होगी।

श्री वर्मा ने कहा कि डिजिटल ऋण पुस्तिका केवल एक तकनीकी नवाचार नहीं, बल्कि राजस्व व्यवस्था को पारदर्शी, सशक्त और नागरिक-केन्द्रित बनाने की दिशा में ठोस कदम है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ एक कृषि प्रधान राज्य है, जहाँ बड़ी संख्या में किसान अपनी आजीविका के लिए भूमि पर निर्भर हैं। अब ऋण पुस्तिका से संबंधित जानकारी ऑनलाइन और वास्तविक समय में उपलब्ध होने से किसानों को बैंक ऋण, फसल ऋण एवं शासकीय योजनाओं का लाभ लेने में सहूलियत होगी। त्रुटियों में कमी आएगी।

मुख्यमंत्री ने 'गिरौदपुरी विशाल सतनाम सद्भाव पदयात्रा' को दिखाई हरी झंडी, अनुयायी रवाना

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज राजधानी रायपुर के मोवा स्थित सतनाम भवन परिसर से विशाल सतनाम सद्भाव पदयात्रा का शुभारंभ किया। उन्होंने धार्मिक विधि-विधान के साथ पदयात्रा को हरी झंडी दिखाकर पावन गिरौदपुरी धाम के लिए रवाना किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने पवित्र जैतखाम की पूजा-अर्चना कर गुरु घासीदास बाबा का पुण्य स्मरण किया तथा प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने पदयात्रा में शामिल श्रद्धालुओं और सामाजिक बंधुओं से आत्मीय संवाद करते हुए कहा कि गुरु घासीदास बाबा का मनखे-मनखे एक समान का संदेश संपूर्ण मानव समाज के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह पदयात्रा समाज में सद्भावना, समरसता और भाईचारे को और सुदृढ़ करेगी। श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार समाज के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है तथा सामाजिक हितों को गति देने हेतु विशेष प्राधिकरण का गठन भी किया गया है। पदयात्रा के उपरांत विशाल मेले के आयोजन की जानकारी भी उन्होंने दी।

कैबिनेट मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने कहा कि यह पदयात्रा सामाजिक समरसता, मानव कल्याण और एकता के उद्देश्य से आयोजित की जा रही है। उन्होंने सभी से सामाजिक भेदभाव और द्वेष से ऊपर उठकर राष्ट्र प्रथम की भावना के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया। उन्होंने विश्वास जताया कि यह यात्रा गुरु घासीदास बाबा के संदेशों को जन-जन तक पहुंचाएगी।

कार्यक्रम में धर्मगुरु गुरु श्री बालदास साहेब, विधायक श्री ललित चंद्राकर, विधायक श्री मोतीलाल साहू, फिल्म विकास निगम की अध्यक्ष सुश्री मोना सेन, छत्तीसगढ़ रजककार विकास बोर्ड के अध्यक्ष श्री प्रहलाद रजक, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री नवीन अग्रवाल, संत समाज के प्रतिनिधि एवं सर्व समाज के प्रबुद्धजन उपस्थित रहे।

गौरतलब है कि रायपुर से गिरौदपुरी धाम तक प्रस्तावित विशाल सतनाम सद्भाव पदयात्रा का आयोजन 18 से 22 फरवरी 2026 तक किया जाएगा। पदयात्रा का उद्देश्य सामाजिक समरसता, आपसी भाईचारा और सद्भाव का संदेश जन-जन तक पहुंचाना है। इस दौरान गिरौदपुरी धाम मेले में विभिन्न सामाजिक, सांस्कृतिक और धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए।

मुस्लिमों के 5 फीसद आरक्षण का आदेश रद्द

मुंबई। भाजपा सरकार ने 10 साल पुराने उस सरकारी आदेश को कैंसिल कर जिसमें मुस्लिम कम्युनिटी को एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन और सरकारी और सेमी-गवर्नमेंट नौकरियों में 5 फीसद आरक्षण देने की बात कही गई थी। 10 सालों से यह आदेश इनवैलिड रहा है क्योंकि यह कभी पास नहीं हो पाई थी।

सिर पर हथौड़ा मारकर 3.35 करोड़ की लूट

श्रीकंचनपथ समाचार

बिलासपुर। बीती रात यहां एक सराफा कारोबारी पर हमला कर 3 करोड़ 35 लाख की लूट की गई है। कार सवार बदमाशों ने पहले उनकी कार को टक्कर मारी। फिर पिस्टल तान कर धमकाया और अंत में हथौड़े से सिर पर जानलेवा हमला कर दिया। लुटेरे कार समेत 2 किलो 200 ग्राम सोना, 3 लाख 50 हजार कैश सहित 3 करोड़ 35 लाख का माल लूटकर भाग गए। हमले में घायल कारोबारी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। लूट की इस घटना का सीसीटीवी वीडियो भी सामने आया है।

पुलिस नाकेबंदी कर लुटेरों की तलाश कर रही है। घटना सरकंडा थाना क्षेत्र की है। अरपापार स्थित राजकिशोर नगर निवासी संतोष तिवारी की राजकिशोर नगर वसंत विहार चौक में महालक्ष्मी ज्वेलरी शॉप है। वे दुकान में रखे सोने के जेवरों को रोजाना कार से लाना-ले जाना करते हैं। मंगलवार रात करीब 8.30 बजे वो दुकान बंद कर अपनी कार में गहनों को रखकर घर जा रहे थे। अभी वो बीएसएनल ऑफिस गली के तिराहे पर पहुंचे ही थे कि सफेद रंग की कार (सीजी 10 बीजे 8147) ने उन्हें टक्कर मार दी, जिससे सराफा कारोबारी की कार पर डैश लगा। जिसके बाद वो कार से बाहर निकले। कार सवार बदमाशों ने विवाद शुरू किया और फिर वारदात को अंजाम दिया। इस हमले में संतोष तिवारी खून से लथपथ होकर बुरी तरह से घायल हो गए। लुटेरे उनकी कार लेकर फरार हो गए। संतोष दौड़ते हुए अपने घर गए, जहां अपने साले के साथ सरकंडा थाना पहुंचे।

रायपुर-दिल्ली स्लीपरयुक्त वंदे भारत सहित कई प्रस्ताव

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। रायपुर सांसद एवं वरिष्ठ नेता बृजमोहन अग्रवाल ने मंगलवार को दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के अधिकारियों के साथ डीआरएम कार्यालय में उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की। बैठक में क्षेत्रीय सांसद और रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। सांसद अग्रवाल ने कहा कि छत्तीसगढ़ देश को सर्वाधिक रेल राजस्व देने वाले राज्यों में अग्रणी है, इसलिए उसे आधुनिक, सुरक्षित और समयबद्ध रेल सुविधओं का अधिकार है।

बैठक में यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए बृजमोहन अग्रवाल ने कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव रखे गए - इनमें रायपुर- दिल्ली स्लीपर कोच युक्त वंदे भारत ट्रेन, बिलासपुर-रायपुर-पुरी वंदे भारत, रायपुर-जबलपुर वंदे भारत, दुर्ग-अंबिकापुर वंदे भारत, बिलासपुर-गोवा सीधी ट्रेन, बिलासपुर-नाथद्वारा सीधी ट्रेन।

सांसद ने आवश्यकता पड़ने पर रेल मंत्री और रेलवे बोर्ड से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात कर प्रस्तावों को स्वीकृति दिलाने की बात कही।

उन्होंने विशाखापट्टनम-दुर्ग वंदे भारत के समय में संशोधन, समता एक्सप्रेस को हरिद्वार तक विस्तार, जम्मूतवी एक्सप्रेस को अमृतसर मार्ग से संचालित करने, भगत की कोठी ट्रेन को प्रतिदिन चलाने और दल्लीराजहरा-दुर्ग ट्रेन को दैनिक करने का सुझाव दिया। साथ ही मुंबई-नागपुर एवं नागपुर-पुणे ट्रेनों को बिलासपुर तक विस्तार देने की योजना बनाने को कहा।

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत रायपुर, दुर्ग सहित अन्य स्टेशनों पर धीमी प्रगति पर नाराजगी जताते हुए कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए गए।

मुख्य निर्णयों में सरोना, मंदिर हसौद और WRS स्टेशनों को भविष्य के रायपुर जंक्शन के रूप में विकसित करना। रायपुर मंडी गेट, कचना और जोरा में प्रस्तावित अंडरब्रिज (RUB) की ऊंचाई और चौड़ाई बढ़ाना। सरोना, भिलाई, हथबंद और निपनिया स्टेशनों का निर्माण अप्रैल-जून तक पूर्ण करना।

संपादकीय

सुरक्षा कवच में छिद्र

फसल बीमा का पूरा लाभ मिले किसान को

एक दशक पूर्व प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना यानी पीएमएफबीवाई इस मकसद से शुरू की गई थी कि देश के अन्नदाता के हित तमाम ऊंच-नीच में सुरक्षित रह सकें। सदियों से प्राकृतिक आपदाओं का त्रास पीढ़ी-दर-पीढ़ी भुगतते किसानों को सुरक्षा कवच प्रदान करने का प्रयास मोदी सरकार ने किया था। मकसद था किसान हितों को प्राथमिकता दी जाए। लेकिन जिस पीएमएफबीवाई के आज दस साल पूरे हो रहे हैं, वह आज एक चुनौतिपूर्ण मोड़ पर खड़ी है। जिसके वास्तविक लाभों पर मंथन करने की आवश्यकता महसूस की जा रही है। दरअसल, मोदी सरकार ने वर्ष 2016 में खेती-किसानी में एक बड़े जोखिम को कम से कम करने का प्रयास किया था। फसल बीमा से किसानों को प्राथमिकता मिलनी चाहिए। दरअसल, इस योजना का प्राथमिक उद्देश्य किसानों को जलवायु और बाजारों की बढ़ती अस्थिरता से बचाना था। लेकिन विडंबना यही है कि इस योजना के अपेक्षित लाभ किसानों को नहीं मिल पाये। बल्कि यह योजना बीमा कंपनियों के लिये दुधारू गाय बनकर रह गई। यहां तक कि भाजपा शासित राज्यों हरियाणा और राजस्थान से मिली प्राथमिक जानकारी से पता चला है कि इस योजना का लाभ किसान के बजाय बीमा कंपनियां जमकर उठा रही हैं। वर्ष 2023 से 2025 के बीच, हरियाणा में बीमा कंपनियों ने पीएमएफबीवाई के तहत 2,827 करोड़ रुपये का सकल प्रीमियम एकत्र किया था। लेकिन जहां तक फसलों को हुई क्षति के लिये दावों के भुगतान का प्रश्न है, केवल 731 करोड़ रुपये का ही भुगतान किया गया है। यानी बीमा कंपनियों को सीधे-सीधे 2,000 करोड़ से अधिक का लाभ हुआ है। इतना ही नहीं, शेष देश के आंकड़े भी कम चौंकाने वाले नहीं हैं। केवल तीन वर्षों में ही 82,015 करोड़ रुपये बीमा कंपनियों द्वारा प्रीमियम के रूप में एकत्रित किए गए। जबकि किसानों को क्षतिपूर्ति के लिये मात्र 34,799 करोड़ रुपये ही वितरित किए गए। बीमा कंपनियों को 47,000 करोड़ रुपये से अधिक का लाभ हुआ। यह विडंबना ही है कि जिस महत्वाकांक्षी फसल बीमा योजना को किसानों को सुरक्षा कवच प्रदान करने के लिये लाया गया था, वो बीमा कपंनियों की मुनाफाखोरी का जरिया बन गई है। निश्चय ही देश की खाद्य सुरक्षा व किसान हित में योजना को बीमा कंपनियों के मुनाफे का जरिया बनने से रोकने की जरूरत है। बल्कि फसल बीमा योजना के क्षेत्र में निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा सुनिश्चित की जानी चाहिए ताकि किसान को अधिक लाभ मिल सके। हरियाणा के कुछ हिस्सों में किसानों के दावों में की जाने वाली देरी अथवा किसानों के दावे खारिज किए जाने के खिलाफ धरना देने की बात भी सामने आई है। वहीं दूसरी ओर राजस्थान में फसल बीमा योजना में बड़े पैमाने पर अनियमितताओं के आरोप सामने आए हैं।

> “दरअसल, मोदी सरकार ने वर्ष 2016 में खेती-किसानी में एक बड़े जोखिम को कम से कम करने का प्रयास किया था। फसल बीमा से किसानों को प्राथमिकता मिलनी चाहिए। दरअसल, इस योजना का प्राथमिक उद्देश्य किसानों को जलवायु और बाजारों की बढ़ती अस्थिरता से बचाना था। लेकिन विडंबना यही है कि इस योजना के अपेक्षित लाभ किसानों को नहीं मिल पाये। बल्कि यह योजना बीमा कंपनियों के लिये दुधारू गाय बनकर रह गई।

अनुचित लाभ उठाने के लिये जाली फॉर्म और फर्जी बैंक खातों का उपयोग किया गया है। निस्संदेह, यदि बीमा कंपनियां सिर्फमुनाफा कमाती रहीं और किसान को योजना का लाभ पर्याप्त रूप से न मिला, तो निश्चित रूप से किसानों का इस योजना से भरोसा उठ जाएगा। ऐसे में यदि किसान अनियमित मौसम की मार, बढ़ते कर्ज के बोझ और नौकरशाही की बाधाओं से जूझते रहे तो वे योजना का लाभ पाने से वंचित हो जाएंगे। निस्संदेह, पीएमएफबीवाई किसानों के हितों को संरक्षित करने की एक महत्वाकांक्षी योजना है। जिसमें पारदर्शिता बढ़ाने के लिये सैटेलाइट इमेजरी, ड्रोन और तकनीक आधारित उपज अनुमान प्रणाली को एकीकृत करने का प्रयास किया गया था। इतना ही नहीं, पीएमएफबीवाई के अंतर्गत किफायती प्रीमियम केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा भारी सब्सिडी के साथ दिया जाता है। निर्विवाद रूप से प्रीमियम का बड़ा हिस्सा जनता के पैसे से भरा जाता है। जब प्रीमियम व दावा अनुपात विरोधाभासी हो तो करदाताओं के पास जवाबदेही मांगने का पूरा अधिकार है। निस्संदेह ऐसे वक्त में जब पीएमएफबीवाई ग्यारहवें वर्ष में प्रवेश कर रही है, सुधारों से इसका भविष्य तय होना चाहिए। पारदर्शी ऑडिट, दावों का तेजी से निपटान, बीमा कंपनियों की कारगुजारी पर कड़ी निगरानी की जरूरत व इस प्रक्रिया में किसानों का अधिक प्रतिनिधित्व आवश्यक है।

नये परिदृश्य में हसीना के प्रत्यर्पण का यक्ष प्रश्न

पुष्परंजन

भारत ने आम तौर पर शरणार्थियों को वापस न भेजने की नीति अपनाई हुई है। इसी नीति के तहत, दलाई लामा जैसे प्रमुख राजनीतिक शरणार्थियों को ऐतिहासिक रूप से संरक्षण दिया गया है। हालांकि, भारत 1951 के शरणार्थी कन्वेंशन का हस्ताक्षरकर्ता नहीं है।

शेख़ हसीना, जो 5 अगस्त, 2024 को हिंसक प्रदर्शनकारियों से जान बचाते हुए ढाका से गाजियाबाद के लिए एक सीक्रेट फ्लाइट से भागी थीं, अभी फांसी से दूर हैं, और नई दिल्ली निर्वासन में रह रही हैं। शेख़ हसीना का सवाल विक्रम और बेताल की तरह मोदी सरकार के कंधे पर सवार है। चूंकि प्रधानमंत्री मोदी को 'एआई समिट' में उपस्थित रहना था, इसलिए तारिक़ रहमान के शपथ ग्रहण समारोह में उन्होंने ढाका, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला को भेजा। बांग्लादेश की तरफ से उन्हें सौंपने के बार-बार अनुरोध के बावजूद भारत में हसीना की मौजूदगी पिछले 18 महीनों में दक्षिण एशियाई पड़ोसियों के बीच झगड़े की एक बड़ी वजह रही है।

भले ही भारत, ढाका के साथ 'पोस्ट हसीना पार्टनरशिप' बनाने के लिए उत्सुक है, लेकिन कई जियोपॉलिटिकल एनालिस्ट ने कहा, कि वे ऐसे हालात की कल्पना नहीं कर सकते, जिसमें नई दिल्ली पूर्व प्रधानमंत्री को मौत की सज़ा का सामना करने के लिए बांग्लादेश को सौंप दे। ढाका रह चुके भारत के पूर्व हाई कमिश्नर पिनाक रंजन चक्रवर्ती ने कहा, 'नई दिल्ली उन्हें मौत की तरफकैसे धकेल सकती है?'

हसीना, बांग्लादेश की सबसे लंबे समय तक प्रधानमंत्री रहीं, वो शेख मुजीबुर रहमान की सबसे बड़ी बेटी हैं। शेख मुजीबुर रहमान ने 1971 में पाकिस्तान से आज़ादी की लड़ाई का नेतृत्व किया था। शेख हसीना कोई पहली बार भारत में शरणागत नहीं हुई हैं। 15 अगस्त, 1975 को बांग्लादेश के संस्थापक शेख मुजीबुर रहमान की ढाका में उनके धानमंडी स्थित घर पर मिलिट्री तख्तापलट के दौरान हत्या कर दी गई थी। इस हमले में उनकी पत्नी, तीन बेटे और दूसरे रिश्तेदार मारे गए थे। उनकी दो बेटियां संयोगवश बच गयीं, जो घटना के समय जर्मनी में थीं। उनमें एक शेख हसीना और दूसरी शेख़ रेहाना थीं। हसीना के पास अपने पति एमए वाजेद मियां के साथ भारत में शरण लेने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा था।

वर्ष 1975 से 1981 तक वे सभी दिल्ली के पंडारा रोड में एक नकली पहचान के साथ रहे। लेकिन अब नरेंद्र मोदी सरकार, हसीना के 'निर्वासन पार्ट-टू' को लेकर दुविधा में है। हसीना ने 2022 के इंटरव्यू में मुजीबुर रहमान की हत्या के बाद के पलों को याद करते हुए कहा, 'मिसेज इंदिरा गांधी ने तुरंत जानकारी भेजी, कि वह हमें सुरक्षा और पनाह देना चाहती हैं।' दिल्ली आने के बाद, हसीना इंदिरा गांधी से मिलीं, तभी उन्हें अपने परिवार के 18 सदस्यों की हत्या के बारे में पता चला।

हसीना ने 2022 में न्यूज़ एजेंसी एएनआई को बताया, 'इंदिरा गांधी ने हमारे लिए सारे इंतज़ाम किए। मेरे पति के लिए नौकरी भी।' दिल्ली में हसीना पहले 56 रिंग रोड, लाजपत नगर-3 में रहती थीं, फिर दिल्ली के पंडारा रोड के घर में शिफ्ट हो गईं। छह साल बाद, 17 मई, 1981 को, हसीना बांग्लादेश लौटीं। वापसी के बाद देश पर कब्ज़ा कर चुकी मिलिट्री सरकार के खिलाफ एक लंबी और मुश्किल लड़ाई की शुरुआत की। करप्शन के आरोपों में जेल के बावजूद, हसीना डटी रहीं। आखिरकार, 1996 में शेख़ हसीना सत्ता में आईं, और पहली बार बांग्लादेश की प्रधानमंत्री बनीं।

लेकिन उस कालखंड से इस समय अलग परिस्थितियां हैं। पीएम मोदी बांग्लादेश के सन्दर्भ में अपनी पूर्ववर्ती इंदिरा गांधी की राह पर चले ज़रूर, मगर इसके अंजाम का आकलन मोदी के रणनीतिकार सही से नहीं कर पाए। वर्ष 2013 में भारत-बांग्लादेश के बीच प्रत्यर्पण संधि हुई थी। और 2016 में इसमें बदलाव किया गया था, जो कम से कम एक साल की जेल की सज़ा वाले अपराधों के दोषी या अभियुक्तों की अदला-बदली की अनुमति देती है। इसमें आतंकवाद, ट्रैफिकिंग और ऑर्गनाइज़्ड क्राइम जैसे अपराध शामिल हैं, लेकिन यदि कोई राजनीतिक क़ैदी है, तो उसके प्रत्यर्पण से मना करने की सहूलियत भी संधि में है। 11 पेज की संधि के अनुच्छेद 6-7 और 8 को ध्यान से पढ़ा जाये, तो शेख हसीना को आपराधिक धाराओं से भी छूट मिल जाती है। भारत इन्हीं धाराओं के आधार पर शेख़ हसीना के प्रत्यर्पण से मना करने की स्थिति में है। इस संधि पर हस्ताक्षर करने वाले तत्कालीन गृह मंत्री सुशील कुमार शिंदे और उनके समकक्ष डॉ. मोहिनुद्दीन ख़ान आलमगीर अभी जीवित हैं।

बहरहाल, 17 नवंबर, 2025 को 453 पेज के फैसले में, बांग्लादेश की इंटरनेशनल क्राइम्स ट्रिब्यूनल (आईसीटी) ने शेख़ हसीना और दो सह-आरोपियों को दो अलहदा मामलों में मौत की सजा सुनाई थी। उन्हें पिछले साल 5 अगस्त को ढाका के चंखारपुल में छह निहत्थे प्रदर्शनकारियों की गोली मारकर हत्या करने के आरोप संख्या 4 के तहत मौत की सजा सुनाई गई थी। आरोप संख्या 5 के तहत, आरोपियों पर उसी दिन अशुलिया में छह छात्र प्रदर्शनकारियों को गोली मारने का आरोप था, जिनमें से पांच को बाद में जला दिया गया था, जबकि छठे को कथित तौर पर जिंदा रहते हुए आग लगा दी गई थी। पूर्व गृह मंत्री असदुज्जमान खान कमाल को भी मौत की सजा सुनाई गई, जबकि पूर्व पुलिस महानिरीक्षक चौधरी अब्दुल्ला अल-मामून, जो सरकारी गवाह बन गए थे, को इस मामले में पांच साल की कैद की सजा सुनाई गई थी। भारत का कहना है, कि वह पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के प्रत्यर्पण के लिए बांग्लादेश के आग्रह की जांच कर रहा है।

क्या भारत ने पहले कभी किसी राजनीतिक शरणार्थी का प्रत्यर्पण किया है? भारत ने आम तौर पर शरणार्थियों को वापस न भेजने की नीति अपनाई हुई है। इसी नीति के तहत, दलाई लामा जैसे प्रमुख राजनीतिक शरणार्थियों को ऐतिहासिक रूप से संरक्षण दिया गया है। हालांकि, भारत 1951 के शरणार्थी कन्वेंशन का हस्ताक्षरकर्ता नहीं है। आपराधिक मामलों या राष्ट्रीय सुरक्षा के आधार पर विशिष्ट व्यक्तियों के प्रत्यर्पण या निर्वासन का उसका अपना इतिहास रहा है।

वर्ष 1959 से भारत ने दलाई लामा को राजनीतिक शरण दे रखी है। चीन ने उसका कड़ा विरोध किया था, लेकिन प्रत्यर्पण की मांग पूरी नहीं हुई। चीन से हमारे संबंध दोस्ती और कुश्ती वाले रहे हैं। चीन से गलवान-देपसांग झड़प भी हुई, तो उभयपक्षीय व्यापार एकदम से रुक नहीं गया। तो क्या हम बांग्लादेश से चीन जैसा सम्बन्ध बनाये रखना चाहते हैं, या फ़िर शेख हसीना की 'कूटनीतिक बलि' दे दी जाएगी? यह आधिकारिक रूप से स्पष्ट नहीं है, कि शेख हसीना किसी थर्ड कंट्री में शरण चाहेंगी। शेख़ हसीना की क़ीमत पर कोई तीसरा देश क्यों अपने सम्बन्ध तारिक़ रहमान सरकार से ख़राब करेगा? बीएनपी को इतना बड़ा जनादेश सहानुभूति वोट, और शेख हसीना शासन में हुए सितम की वजह से मिला है। तारिक़ रहमान हर हाल में शेख़ हसीना से पुराना स्कोर सेटल करना चाहेंगे।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

समृद्धि का अमृत तो मिला पर प्रदूषण का विष कौन पीएगा?

प्रो. चेतन सिंह सोलंकी

पौराणिक कथाओं के अनुसार, जब देवों और असुरों ने अमृत की प्राप्ति के लिए समुद्र-मंथन किया था तो अमृत से पहले हलाहल नामक भीषण विष निकला था। उस विष से समस्त सृष्टि के विनाश का संकट खड़ा हो गया था। तब भगवान शिव ने करुणावश उसे अपने कंठ में धारण किया और नीलकंठ कहलाए।

आज के युग में हम एक बार फिर मंथन कर रहे हैं। यह प्रकृति के संसाधनों का मंथन है। हम अपनी सुख-सुविधाओं और अंतहीन इच्छाओं की पूर्ति के लिए पृथ्वी के गर्भ से आकाश तक, हर प्राकृतिक संसाधन को मथ रहे हैं। इससे हमें आर्थिक समृद्धि और तकनीक का अमृत तो मिल रहा है, पर इससे प्रदूषण का विष भी निकल रहा है।

विकास की हमारी अंधी दौड़ ने न केवल हवा को जहरीला और जल को प्रदूषित किया है, बल्कि मिट्टी को भी बहुत हद तक बंजर बना दिया है। धरती का बढ़ता तापमान और अनियंत्रित जलवायु परिवर्तन हमारे अस्तित्व के लिए सबसे बड़ा खतरा बन गए हैं। विडम्बना यह है कि हम प्राकृतिक संसाधनों को इतनी निर्दयता और तेजी से मथ रहे हैं कि प्रकृति को स्वयं को सम्भालने और पुनर्जीवित करने का अवसर ही नहीं मिल रहा है।

आज मानवता पृथ्वी की क्षमता से कहीं अधिक उपभोग कर रही है। यह अतिरिक्त उपभोग ही वह विष है, जो पर्यावरण में कार्बन उत्सर्जन और कचरे के रूप में घुल रहा है। अब सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि आज के इस विष को कौन पीएगा?

क्या हम किसी चमत्कार की प्रतीक्षा करें कि कोई आएगा और हमारे द्वारा फैलाए गए इस प्रदूषण को सोख लेगा? विज्ञान और तकनीक की अपनी सीमाएं हैं। कोई भी टेक्नोलॉजी या नीति तब तक सफल नहीं हो सकती, जब तक हम धरती की सीमाओं में न जीएं और विष पैदा करना बंद न कर दें।

मुझे लगता है कि आज हर व्यक्ति को अपने हिस्से का थोड़ा-थोड़ा हलाहल पीना होगा। यह विष किसी प्याले में नहीं, बल्कि हमारी जीवनशैली में है। हमें अपनी अधिक पाने की लालसा को अपने कंठ में ही रोकना होगा ताकि वह धरती के भीतर तक न पहुंचे। जब समाज का हर व्यक्ति अपनी जिम्मेदारी का यह विष पीएगा, तभी आने वाली पीढ़ियों के लिए अमृत सुरक्षित रह पाएगा। हमें यह स्वीकार करना होगा कि पृथ्वी सीमित है और यह हमेशा सीमित ही रहेगी, चाहे हमारा विज्ञान और हमारी अर्थव्यवस्था कितनी भी प्रगति क्यों न कर ले। हकीकत में, संसाधनों की कमी को समझना मनुष्यों के लिए बहुत ही सहज और स्वाभाविक है।जब हमारी आय सीमित होती है, तो हम अपने खर्चों को स्वत: ही सीमित कर लेते हैं। यदि हमारे पास पांच सीटों वाली कार है, तो हम उसमें दस लोगों को बैठने के लिए आमंत्रित नहीं करते। हम हर दिन क्षमता के आधार पर निर्णय लेते हैं, फिर पृथ्वी के संदर्भ में हम इस बुनियादी सत्य को क्यों भूल जाते हैं?

हमें समझना होगा कि पृथ्वी का आकार निश्चित है और यह समय या तकनीक के साथ नहीं बढ़ रहा है। इसके संसाधन भी सीमित हैं। फिर ऐसा कैसे है कि हमारा उपभोग और मांग लगातार बढ़ती जा रही है? यह अहसास कि हम एक सीमित धरती पर रह रहे हैं, समाधान की दिशा में पहला कदम है। जब हम अपनी सीमाओं को पहचान लेंगे, तभी हम सही मायने में समाधान की ओर बढ़ पाएंगे। यहां यह समझना भी अनिवार्य है कि यह समस्या हम सभी के उपभोग से पैदा हुई है, इसलिए समाधान का हिस्सा भी हम सभी को बनना होगा।

यदि हम अपनी आदतों को सुधार लें और अफोर्ड' करने की क्षमता होने के बावजूद प्रकृति के लिए अवॉइड' करना सीख जाएं, तो हम इस विष को फैलने से रोक सकते हैं। विकास का अर्थ विनाश नहीं, बल्कि संतुलन होना चाहिए।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

प्रगतिशील दृष्टि से देखें फिल्मों में अभिव्यक्ति

रोहित कौशिक

लीक से हटकर जो किताबें और फिल्में होती हैं, वे हमारे चेतना-तंतुओं को झकझोरने का काम करती हैं। ऐसी किताबें और फिल्में अनेक तरह के सवाल तो उठाती ही हैं, कई पारम्परिक धारणाओं को भी तोड़ती हैं। क्या हमारे समाज में जाति और धर्म के नाम पर असहिष्णुता और बढ़ रही है? क्या इस दौर में जाति और धर्म के नाम पर लोगों की भावनाएं कुछ ज्यादा ही आहत नहीं होने लगी हैं? ताजा मामला है 'घूसखोर पंडत' फिल्म का। हालांकि, अब सुप्रीम कोर्ट ने इस फिल्म का टाइटल बदलने का आदेश दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने विवेक से यह फैसला दिया है। इसलिए इस फैसले पर कोई सवाल नहीं है लेकिन सुप्रीम कोर्ट के फैसले से अलग इस मुद्दे पर कई सवाल खड़े होते हैं। एक फिल्म का टाइटल यदि किसी समाज की भावनाएं आहत कर दे तो यह सवाल तो उठेगा कि आजादी के इतने वर्षों बाद भी क्या हम एक प्रगतिशील समाज बना पाए हैं?

एक काल्पनिक फिल्म और काल्पनिक किरदार यदि किसी समाज की भावनाएं आहत करने की हिम्मत रखता है तो यह सवाल भी उठेगा कि क्या हमारी भावनाएं भी तो काल्पनिक नहीं हो गई हैं। यह केवल ब्राह्मण समाज का मामला नहीं है। आए दिन किसी न किसी मुद्दे पर किसी जाति या किसी धर्म के लोगों की भावनाएं आहत होती रहती हैं। बहरहाल, अब इस फिल्म का टीजर और उससे जुड़ी सभी प्रमोशनल सामग्री नेटफ्लिक्स इंडिया के सोशल मीडिया अकाउंट और यूट्यूब से हटा ली गई हैं। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने इस मामले में सूचना और प्रसारण मंत्रालय को नोटिस जारी कर दिया है। आयोग ने कहा है कि इस तरह के टाइटल और फिल्म सामग्री से न केवल समुदायों के बीच वैमनस्य बढ़ सकता है, बल्कि सार्वजनिक व्यवस्था को भी खतरा हो सकता है।

हमारे देश में विभिन्न जातियों और धर्मों के लोग रहते हैं। सभी जातियों और धर्मों के लोगों ने इस देश के विकास में अपना योगदान दिया है। जिस तरह अन्य जातियों और समाज के लोगों ने देश में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है उसी तरह ब्राह्मण समाज के लोगों के योगदान को भी भूला नहीं जा सकता। इस फिल्म के टाइटल 'घूसखोर पंडत' पर कई लोगों ने आपत्ति जताई है। उनका कहना है कि 'पंडित' शब्द आम तौर पर ब्राह्मण समाज और धार्मिक विद्वानों से जुड़ा होता है लेकिन इसके साथ घूसखोर शब्द जोड़ना गलत है। लोगों का मानना है कि इसमें ब्राह्मण समाज को गलत तरीके से दिखाया है। सवाल यह है कि अगर फिल्म में किसी एक जाति या समाज से जुड़ा कोई इंसान घूसखोर है और उसे घूसखोर या भ्रष्टाचारी दिखाया गया है और इसका टाइटल भी घूसखोर रखा गया है तो इससे उस पूरी जाति या समाज का अपमान कैसे हो गया? यदि एक चरित्र को उसकी जाति से जोड़कर घूसखोर लिखा गया है तो यह उस चरित्र के बारे में हैं न कि उस पूरे समाज के बारे में है। सवाल यह है कि इसे जानबूझकर एक जाति या समाज से जोड़कर क्यों देखा जा रहा है। इस दौर में हमारी भावनाएं इतनी जल्दी क्यों आहत होने लगती हैं? निश्चित रूप से यह समाज लगातार प्रगति की ओर अग्रसर है लेकिन क्या एक पढ़े-लिखे समाज में हमारी मानसिकता भी बड़ी नहीं होनी चाहिए? क्या संकुचित मानसिकता से वास्तव में हम प्रगतिशील समाज के दायरे में आ पाएंगे? इस दौर में क्या हमारी समझ छोटी हो गई है या फिर हम जानबूझकर समझना नहीं चाहते हैं? कभी कोई किताब हमारी भावनाएं आहत कर देती है तो कभी कोई फिल्म हमारा अपमान कर देती है। क्या वास्तव में हम 21वीं सदी का समाज कहलाने लायक हैं?

हर जाति और धर्म में अच्छे और बुरे लोग होते हैं। अगर अच्छाई और बुराई को हम किसी एक जाति या धर्म से जोड़कर देखने लगेंगे तो बहुत सारी समस्याएं पैदा हो जाएंगी। भ्रष्टाचार करने वाला इंसान किसी भी जाति या धर्म में हो सकता है। अगर किसी जाति या समाज का एक या कुछ इंसान भ्रष्टाचारी हैं तो इस आधार पर वह पूरा समाज भ्रष्टाचारी नहीं हो सकता। दरअसल, इस दौर में शिक्षा का प्रचार-प्रसार हुआ। यह समाज पहले से अधिक पढ़ा-लिखा और प्रगतिशील है।

नि:संदेह, प्रगतिशील दौर में जाति कमजोर होनी चाहिए थी लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि इस दौर में जाति और मजबूत हो गई है। जाति आधारित संगठन भी मजबूत हो रहे हैं। यही कारण है कि हर जाति अपने अपमान की बात करने लगी है। हमें यह समझना होगा कि किसी एक क्रियाकलाप से भला पूरी जाति का अपमान कैसे हो सकता है। इस दौर में भी मजबूत होती जाति प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से समाज में वैमनस्य पैदा कर रही है। आए दिन कहीं न कहीं जाति के अपमान के मुद्दे पर हंगामा होता रहता है। सवाल यह है कि क्या एक पढ़े-लिखे समाज में इस तरह की मानसिकता उचित है? निश्चित रूप से एक पढ़े-लिखे समाज से इस तरह के व्यवहार की उम्मीद नहीं की जा सकती।

आलोचना होती है, भारतीय समाज अभी तक भी किताबों को पढ़ने और फिल्मों को देखने की प्रगतिशील सोच की समझ विकसित नहीं कर पाया है। लीक से हटकर जो किताबें और फिल्में होती हैं, वे हमारे चेतना-तंतुओं को झकझोरने का काम करती हैं। ऐसी किताबें और फिल्में अनेक तरह के सवाल तो उठाती ही हैं, कई पारम्परिक धारणाओं को भी तोड़ती हैं। दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि हम अपने अंदर झांकने के बजाय ऐसी किताबों और फिल्मों को ही कठघरे में खड़ा करने लगते हैं। यही कारण है कि भावनाएं आहत होने के नाम पर या फिर समाज का अपमान होने के नाम पर किताबों और फिल्मों पर रोक लगाने की मांग अक्सर उठती रहती है। इस दौर में हमारे समाज में जाति और धर्म के नाम पर जिस तरह की नफरत फैलाई जा रही है, वह हमें अंधकार में धकेल रही है। अपनी मानसिकता को बदलकर ही भारतीय समाज इस अंधकार को दूर कर सकता है।

अमेरिका से ट्रेड डील

पीयूष गोयल के मुताबिक ट्रेड डील में रूसी तेल का मुद्दा नहीं है। इसलिए इस पर विदेश मंत्रालय से पूछा जाना चाहिए। विदेश मंत्री गोयल से पूछने की सलाह दे चुके है। प्रधानमंत्री से तो स्पष्टीकरण की अपेक्षा ही नहीं है।

अमेरिका से ट्रेड डील में रूसी तेल के मुद्दे को शामिल करने से भारत को आर्थिक के साथ-साथ प्रतिष्ठा का इतना बड़ा नुकसान हुआ है कि नरेंद्र मोदी सरकार के मंत्री इसकी जवाबदेही एक दूसरे पर टालने की जुगत में दिखे हैं। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल के मुताबिक उन्होंने जो डील की, उसमें यह मुद्दा नहीं है, इसलिए इस बारे में विदेश मंत्रालय से पूछा जाना चाहिए। विदेश मंत्री एस. जयशंकर इस बारे में गोयल से पूछने की सलाह दे चुके हैं। प्रधानमंत्री चूंकि असहज करने वाले सवालों पर कभी कुछ नहीं बोलते, इसलिए उनसे कोई स्पष्टीकरण मिलने की संभावना वैसे भी नहीं है।

ये सच है कि ट्रेड डील से संबंधित साझा बयान में इस मसले का जिक्र नहीं है। लेकिन साझा बयान जारी होने के साथ ही ह्वाइट हाउस ने अलग विज्ञप्ति जारी कर कहा कि भारत रूसी तेल की खरीदारी रोकने पर राजी हुआ है। यह भी बताया कि भारत कहीं चोरी-छिपे तेल ना खरीद ले, इसकी निगरानी अमेरिका के तीन मंत्री करेंगे। भारत सरकार के किसी मंत्री या अधिकारी ने इस अमेरिकी एलान का खंडन नहीं किया। उलटे मंत्री इसकी जवाबदेही दूसरे पर टालते दिखे हैं। इसलिए इसे ट्रेड डील का हिस्सा मान लिया गया है और बाजार में उसका असर दिखने लगा है। पहली मार गुजरात के वाडीनगर में स्थित नायरा रिफाइनरी पर पड़ती दिखी है।

रूस की सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी रोसनेफ्त की इसमें सबसे बड़ी शेयरहोल्डिंग है। इसमें अधिकतर रूस से आए कच्चे तेल का शोधन किया जाता है। लेकिन अब अमेरिका से ट्रेड डील के बाद इस रिफाइनरी का चलना लगभग नामुमकिन हो जाएगा। तो ये चर्चा शुरू हो गई है कि रोसनेफ्त के शेयर खरीद कर कोई भारतीय कंपनी इसकी मालिक बनेगी और फिर वह अन्य स्रोतों से आए तेल का शोधन करेगी।

अनुमान है कि यह तेल अधिकांशत: अमेरिका से आएगा। मगर यह महंगा सौदा है। अमेरिका से तेल ऊंचे भाव में मिलेगा। परिवहन खर्च पर बड़ी कीमत चुकानी होगी। उधर अमेरिकी दबाव में आने के कारण अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा को पहुंची हानि अलग है। इसीलिए इसकी जवाबदेही पर मुंह छिपाने की जरूरत पड़ी है।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करें
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें

दिव्यांगजन सहायक उपकरण परीक्षण शिविर कल

भिलाई। कलेक्टर दुर्ग द्वारा एनटीपीसी-सेल पावर कंपनी लिमिटेड के नियमित सामाजिक दायित्व योजनांतर्गत भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम (एलिम्को) जबलपुर द्वारा दुर्ग जिले के दिव्यांगजनों को नि:शुल्क सहायक उपकरण हेतु मूल्यांकन एवं परीक्षण शिविर आयोजन करने पत्र जारी किया गया है। नगर पालिक निगम भिलाई परीक्षण शिविर दिनांक 19.02.2026 को सभागार कक्ष में समय प्रात: 10:00 बजे से आयोजित किया जायेगा। शिविर में नगर निगम भिलाई, नगर निगम रिसाली, नगर पंचायत उतई, नगर पंचायत पाटन, जनपद पंचायत पाटन एवं आस-पास के क्षेत्र शामिल रहेगें।

आकाशगंगा परिसर के किराएदारों को भेजा नोटिस

भिलाई। आकाशगंगा व्यवसायिक परिसर में विघटित विशेष क्षेत्र प्राधिकरण द्वारा किराए पर दुकान आबंटित की गई है। आबंटियों को बकाया किराया जमा किए जाने सूचना पत्र जारी किया गया है। जिन आबंटियों को सूचना पत्र दिए जाने के बाद भी निर्धारित अवधि में बकाया किराया की राशि निगम कोष में जमा नहीं किया गया है। उन आबंटितियों का आबंटन निरस्त किया जावेगा तथा दिनांक 18.02.2026 दिन बुधवार को तालाबंदी की कार्यवाही की जावेगी। अत: दुकानदार अपनी बकाया राशि निगम कोष में शीघ्र जमा कर तालाबंदी की कार्यवाही से बचें।

केम्प-2 में राइजिंग पाइप का संधारण, प्रभावित होगी सप्लाई

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्रांतर्गत नवनिर्मित केम्प-2 उच्च स्तरीय जलागार के राइजिंग पाईप लाईन से इंटर कनेक्शन का कार्य दिनांक 18 फरवरी 2026 को सुबह 9 बजे से प्रारंभ किया जायेगा, जिसमें 24 घंटे का समय लगने की संभावना है। जिसके कारण दिनांक 18 फरवरी 2026 को सुबह चंद्रा मौर्या, मदर टेरेसा नगर, वैशाली नगर, कोहका मंगल बाजार, हाउसिंग बोर्ड में जलप्रदाय आंशिक रूप से प्रभावित रहेगी। दिनांक 19 फरवरी 2026 को सायं तक सभी जगह पानी सप्लाई किया जायेगा।

नेवई और मरोदा क्षेत्र में तीन दिन नहीं खुलेगा नल

रिसाली। नगर पालिक निगम रिसाली के नेवई क्षेत्र स्थित 32 लाख लीटर क्षमता वाले ओवर हेड टैंक का मरम्मत कार्य करने तीन दिनों का शट डाउन लिया जाएगा। शुक्रवार से रविवार तक पेयजल आपूर्ति प्रभावित क्षेत्र में टैंकर के माध्यम से की जाएगी। सहायक अभियंता अखिलेश गुप्ता ने बताया कि मेन डिस्ट्रीब्यूशन लाइन में लिक होने की वजह से शट डाउन लिया जा रहा है। प्रभावित क्षेत्र में वार्ड 16 बीआरपी कालोनी, वार्ड 17 शिवपारा स्टेशन मरोदा, वार्ड 18 एचएससीएल कालोनी स्टेशन मरोदा, वार्ड 19 विजय चैक स्टेशन मरोदा, वार्ड 20 शंकरपारा स्टेशन मरोदा, वार्ड 21 सूर्या नगर, वार्ड 32 नेवई भाटा, वार्ड 33 नेवई बस्ती पूर्व, वार्ड 34 नेवई बस्ती पश्चिम शामिल है। असुविधा के लिए खेद है।

'आप भी जानिए' के तहत ब्लास्ट फर्नेस के कार्मिकों की पत्नियों ने किया संयंत्र भ्रमण, देखी परिस्थितियां

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के ब्लास्ट फर्नेस विभाग में कार्यरत कार्मिकों की पत्नियों को संयंत्र के कार्यक्षेत्र से रूबरू कराने के उद्देश्य से आप भी जानिए कार्यक्रम का आयोजन मानव संसाधन विभाग में किया गया। इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक (ब्लास्ट फर्नेस) श्री मनोज कुमार, महाप्रबंधक (मानव संसाधन- संकार्य) संजय द्विवेदी, महाप्रबंधक (मानव संसाधन- आयरन एंड स्टील) के. सुपर्णा तथा महाप्रबंधक एवं विभागीय सुरक्षा अधिकारी (ब्लास्ट फर्नेस) विकास नशीने उपस्थित थे।

मानव संसाधन विभाग, कार्मिकों के परिवारजनों से अपनत्व एवं पारिवारिक रिश्ते को मजबूती प्रदान करने तथा उन्हें संयंत्र के उत्पादन गतिविधियों से परिचित कराने हेतु समय-समय पर आप भी जानिए कार्यक्रम का आयोजन करता है। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य कार्मिकों की पत्नियों को संयंत्र की विविध कार्यप्रणालियों एवं उत्पादन प्रक्रियाओं से अवगत कराना है, जिससे वे अपने परिजन के कार्यस्थल एवं दायित्वों को बेहतर रूप से समझ सकें।

कार्यक्रम के प्रारंभ में सहायक महाप्रबंधक (मानव संसाधन-आयरन) श्री रोहित हरित ने सभी कार्मिकों के जीवनसंगनियों का स्वागत करते हुए संयंत्र की कार्यप्रणाली, उत्पादन एवं लाभ में कर्मियों के साथ-साथ उनके परिवारों की महत्वपूर्ण सहभागिता पर प्रकाश डाला। इस कार्यक्रम में ब्लास्ट फर्नेस विभाग के 22 कार्मिकों की पत्नियाँ शामिल हुई।

कार्यक्रम के शुभारंभ के पश्चात कार्मिकों की पत्नियों को संयंत्र भ्रमण कराया गया। संयंत्र भ्रमण के दौरान उन्होंने ब्लास्ट फर्नेस-8, एसएमएस-3, यूनिवर्सल रेल मिल तथा कोक ओवन बैटरियों में उत्पादन प्रक्रिया को देखा तथा विभागीय सुरक्षा अधिकारियों द्वारा प्रतिभागियों को कार्य के दौरान आवश्यक सुरक्षा संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई।

मुख्य महाप्रबंधक (ब्लास्ट फर्नेस) मनोज कुमार ने ब्लास्ट फर्नेस विभाग को एक विस्तारित परिवार बताया।

सिविल लाइन में बहेगी विकास की गंगा, सड़क पेवर ब्लॉक सहित कई विकास कार्य हुए प्रारंभ

49 लाख की लागत से डामरीकरण, 7.95 लाख के पेवर ब्लॉक लगेंगे, आवागमन होगा आसान

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग सीमा क्षेत्र अंतर्गत ठगड़ा बांध वार्ड क्रमांक 48 पुलिस लाइन मेन गेट के सामने से लेकर फुटबॉल ग्राउंड तक 15वें वित्त आयोग मद से स्वीकृत 49 लाख रुपये की लागत से सड़क डामरीकरण कार्य का भूमिपूजन किया गया। इसके साथ ही पुलिस लाइन क्षेत्र में 7.95 लाख रुपये की लागत से पेवर ब्लॉक निर्माण कार्य का निरीक्षण भी किया गया। निर्माण कार्य का शुभारंभ महापौर श्रीमती अलका बाघमार द्वारा विधिवत पूजा-अर्चना के साथ किया गया।

महत्वपूर्ण मार्ग पर डामरीकरण कार्य प्रारंभ होने से पुलिस लाइन क्षेत्र सहित आसपास के नागरिकों को आवागमन में बड़ी राहत मिलेगी। लंबे समय से सड़क की जर्जर स्थिति के कारण लोगों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था, जिसे ध्यान में रखते हुए यह कार्य स्वीकृत किया गया है।

पुलिस लाइन क्षेत्र में 7.95 लाख रुपये की लागत से पेवर ब्लॉक निर्माण कार्य किया जा रहा है। इससे क्षेत्र में जलभराव की समस्या से राहत मिलेगी तथा आवागमन अधिक सुगम और सुरक्षित होगा। महापौर ने मौके पर पहुंचकर कार्य की गुणवत्ता का निरीक्षण किया।

इस अवसर पर महापौर श्रीमती अलका बाघमार ने कहा कि पुलिस लाइन जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण सड़क एवं पेवर ब्लॉक निर्माण अत्यंत आवश्यक है, जिससे आमजन को सुरक्षित, स्वच्छ और व्यवस्थित आवागमन की सुविधा मिल सके। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि कार्य निर्धारित मापदंडों एवं गुणवत्ता के अनुरूप उनकी निगरानी में ही पूर्ण कराया जाए, ताकि नागरिकों को लंबे समय तक इसका लाभ मिल सके।

जनप्रतिनिधियों और नागरिक रहे उपस्थिति

मौके पर सभापति श्याम शर्मा, लोककर्म प्रभारी देवनारायण चंद्राकर, वित्त प्रभारी नरेंद्र बंजारे, एमआईसी सदस्य ज्ञानेश्वर ताम्रकर, काशीराम कोसरे, वार्ड पार्षद लोकेश्वरी ठाकुर, सरिता चंद्रकार, गुलशन साहू, यूवराज कुंजाम, मनोज सोनी, मंडल अध्यक्ष हरीश चौहान,संभव जैन,सहायक अभियंता राजेन्द्र धबाले, उपअभियंता करण यादव सहित वार्डवासी उपस्थित रहे।

विकास कार्यों के प्रति निगम की प्रतिबद्धता

महापौर ने कहा कि नगर पालिक निगम दुर्ग शहर के प्रत्येक वार्ड में आधारभूत सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण हेतु निरंतर कार्य कर रहा है। नागरिकों की सुविधा सर्वोपरि है और विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

निम्बू लाइन में अव्यवस्था पर निगम सख्त, नाप-जोख करने पहुंचे प्रभारी

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। नगर पालिक निगम, दुर्ग सीमा क्षेत्र अंतर्गत पुराना सिटी कोतवाली के पीछे स्थित निम्बू लाइन क्षेत्र में सड़क किनारे अवैध रूप से पसरा एवं ठेला लगाकर व्यवसाय करने वालों के विरुद्ध निगम प्रशासन द्वारा विशेष अभियान चलाया गया।

बाजार एवं राजस्व प्रभारी शेखर चन्द्राकर के नेतृत्व में बाजार अधिकारी अभ्युदय मिश्रा, अतिक्रमण अधिकारी परमेश्वर, शशिकांत यादव तथा ईश्वर वर्मा की टीम स्वयं मौके पर पहुंची। अधिकारियों ने टेप के माध्यम से सड़क किनारे दुकान लगाने वाले व्यवसायियों के लिए निर्धारित स्थान की नाप-जोख कर व्यवस्थित रूप से चिन्हांकन किया।

इस दौरान पसरा दुकानों के लिए निर्धारित जगह के आकार को सुव्यवस्थित एवं सीमित किया गया, ताकि सड़क मार्ग बाधित न हो और आम नागरिकों को आवागमन में किसी प्रकार की असुविधा न हो। प्रभारी श्री चन्द्राकर ने स्पष्ट शब्दों में चेतावनी दी कि यदि कोई दुकानदार निर्धारित लाइन के बाहर दुकान लगाते पाया जाता है तो उस पर जुर्माना लगाया जाएगा तथा आवश्यकता पड़ने पर सामान भी जब्त किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि मार्केट क्षेत्र में प्रतिदिन बड़ी संख्या में नागरिकों का आना-जाना लगा रहता है। ऐसी स्थिति में सड़क किनारे अनियमित रूप से पसरा लगाने से यातायात बाधित होता है और अव्यवस्था की स्थिति बनती है।

विकास कार्यों और राजस्व वसूली में तेजी लाने के निर्देश

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई के आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने आज अपने कक्ष में महत्वपूर्ण विभागीय कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में आवास योजना, राज्य प्रवर्तित योजनाओं, विधानसभा प्रश्नों के उत्तर, संपत्तिकर वसूली और शहर में जारी निर्माण कार्यों की प्रगति पर चर्चा की गई।

आयुक्त ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि आगामी दिनों में माननीय उप मुख्यमंत्री महोदय की प्रस्तावित बैठक के मद्देनजर सभी आवश्यक जानकारियां तत्काल तैयार कर प्रस्तुत करें।

शहर में अवैध प्लाटिंग को पूरी तरह रोकने के लिए संबंधित खसरों को 'बैन' करने की प्रक्रिया तेज की जाएगी, ताकि अवैध खरीद-बिक्री पर प्रभावी रोक लग सके। बैन खसरो का अवलोकन आम नागरिक वेबसाइट पर कर सकते हैं।

स्लम विस्थापन के तहत आई एच एस डी पी और बांबे आवास के हितग्राहियों को 75,000 रुपये की राशि जमा कराने के पश्चात प्रधानमंत्री आवास योजना का आवंटन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

बकाया संपत्तिकर की वसूली को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए 100 प्रतिशत वसूली का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। शहर में चल रहे निर्माण और सौंदर्यीकरण के कार्यों को अविलंब प्रारंभ करने और समय सीमा में पूर्ण करने को कहा गया है, ताकि नागरिकों को सुविधाओं का लाभ मिल सके।

शासन की इस महत्वपूर्ण योजना का लाभ अधिक से अधिक नागरिकों तक पहुँचाने और व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए गए। विभिन्न केंद्र एवं राज्य प्रवर्तित योजनाओं के अंतर्गत नए विकास कार्यों के प्रस्ताव तैयार कर स्वीकृति हेतु शासन को भेजने पर सहमति बनी। सभी विभागीय कार्यों को समय सीमा के भीतर और पूरी पारदर्शिता के साथ पूर्ण करें। विधानसभा सदस्यों द्वारा मांगी गई जानकारियों को प्राथमिकता के आधार पर प्रेषित किया जाए।

आयुक्त ने विकास कार्यों का किया औचक निरीक्षण

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई के आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने आज जोन-2 क्षेत्र का सघन दौरा कर नवनिर्मित एसएलआरएम सेंटर, प्रधानमंत्री आवास योजना हेतु प्रस्तावित स्थल और पूर्व निर्मित आवास कॉलोनियों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उनके साथ जोन आयुक्त येशा लहरे एवं निगम के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

आयुक्त ने वैशाली नगर अंतर्गत घासीदास नगर में नवनिर्मित एसएलआरएम सेंटर का बारीकी से अवलोकन किया। उन्होंने निर्माण कार्य में शेष रह गए छोटे-मोटे कार्यों को तत्काल पूर्ण करने के निर्देश दिए ताकि सेंटर का संचालन जल्द से जल्द सुचारू रूप से शुरू किया जा सके। प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत प्रस्तावित रिक्त स्थलों का भी अधिकारियों द्वारा अवलोकन किया गया। आयुक्त ने भविष्य की कार्ययोजना को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

आईएचएसडीपी एवं बांबे आवास के निरीक्षण के दौरान यह पाया गया कि कई निवासियों ने घरों के सामने अवैध रूप से अतिक्रमण कर रखा है जिसे तत्काल हटाने की कार्यवाही कहा गया।

कॉलोनियों में साफ-सफाई की व्यवस्था दुरुस्त करने हेतु स्वास्थ्य विभाग की टीम को विशेष निर्देश दिए गए ताकि निवासियों को स्वच्छ वातावरण मिल सके। निरीक्षण के दौरान जोन आयुक्त येशा लहरे, उप अभियंता श्वेता वर्मा व चंदन निर्मल, जोन स्वास्थ्य अधिकारी शंकर सहानी, स्वच्छता निरीक्षक अंजनी सिंह एवं संबंधित क्षेत्र के सुपरवाइजर मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

मुक्तिधाम में अतिक्रमण पर महापौर सख्त, तत्काल हटा कब्जा

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। नगर पालिक निगम क्षेत्र अंतर्गत वार्ड क्रमांक 60 रायपुर नाका स्थित मुक्तिधाम परिसर में छत्तीसगढ़ मूर्तिकार संघ द्वारा एक कक्ष में किए गए अनधिकृत कब्जे को महापौर श्रीमती अल्का बाघनार के निर्देश पर तत्काल प्रभाव से हटाया गया। निगम प्रशासन द्वारा स्पष्ट किया गया कि शासकीय भूमि एवं सार्वजनिक स्थलों पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

महापौर अलका बाघमार के निर्देशानुसार संबंधित अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया तथा कब्जा हटाने की कार्रवाई सुनिश्चित की। साथ ही छत्तीसगढ़ मूर्तिकार संघ को भविष्य में बिना अनुमति किसी भी स्थल पर अतिक्रमण न करने हेतु सख्त चेतावनी दी गई है। निगम प्रशासन ने दो टूक शब्दों में कहा है कि यदि पुन: इस प्रकार की गतिविधि पाई जाती है तो नियमानुसार कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

इसके अतिरिक्त रायपुर नाका स्थित मुक्तिधाम से लगे गार्डन के सौंदर्यकरण हेतु भी अधिकारियों को आवश्यक निर्देश प्रदान किए गए हैं। परिसर को स्वच्छ, व्यवस्थित एवं आम नागरिकों के उपयोग हेतु सुगम बनाने के उद्देश्य से सौंदर्यकरण कार्य शीघ्र प्रारंभ किया जाएगा।

मुक्तिधाम परिसर में स्थल की सीमित उपलब्धता को दृष्टिगत रखते हुए भविष्य में शासकीय भूमि पर शव चबूतरा निर्माण पर पूर्णत: रोक लगाने का निर्णय लिया गया है। इस संबंध में अधिकारियों को तत्काल निषेध बोर्ड स्थापित करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि आमजन को स्पष्ट जानकारी मिल सके और अनावश्यक निर्माण कार्यों पर प्रभावी नियंत्रण रखा जा सके।

नगर निगम प्रशासन ने पुन: दोहराया है कि सार्वजनिक स्थलों की सुरक्षा, सुव्यवस्था एवं सौंदर्य संरक्षण सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा या निर्माण सख्ती से रोका।

कार्यवाही के दौरान सभापति श्याम शर्मा, एमआईसी देव नारायण चंद्रकार, ज्ञानेश्वर ताम्रकर, काशीराम कोसरे, युवराज कुँजम, अरुण सिंह, मनमोहन शर्मा के अलावा सहायक अभियंता संजय ठाकुर, उपअभियंता हरिशंकर साहू, पंकज साहू मौजूद रहे।

नंदनी रोड पर चला बेदखली अभियान, फल ठेले किए बेदखल, ठोंका जुर्माना

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय द्वारा प्रात: भ्रमण में दिये गये निर्देशानुसार नंदनी रोड में फल ठेला संचालको पर बेदखली कार्यवाही की गई। दुकानदारों द्वारा सर्विस रोड पर ठेला लगाकर व्यवसाय किया जाता है। आवागमन एवं बढ़ते सड़क दुर्घटना को दृष्टिगत करते हुए दुकान पीछे हटाकर लगाने समझाइस दिया गया था, किन्तु दुकान नहीं हटाया गया। आज निगम एवं पुलिस प्रशासन की संयुक्त टीम द्वारा दुकानो को बेदखल करते हुए चालानी कार्यवाही किया गया है। भविष्य में इस तरह कृत्य के लिए बड़ी दंडात्मक कार्रवाई होगी, जिस हेतु अवगत कराया गया है। कार्यवाही के दौरान सहायक राजस्व अधिकारी बसंत देवांगन, बालकृष्ण नायडू, बेदखली प्रभारी विनय शर्मा, बेदखली सहायक हरिओम गुप्ता, पुलिस अधिकारी व कर्मचारी सहित बेदखली टीम के कर्मचारी उपस्थित रहे।

Since 1972
CROWN-TV®
Choice Of Millions
Washing Machine / Cooler
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 22
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line

खास खबर

जनदर्शन में मिली त्वरित राहतः लगनी बाई को मिला राशन कार्ड

रायपुर। शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने और जन समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए जिला प्रशासन द्वारा आयोजित साप्ताहिक जनदर्शन में कोंडागांव जिले के केशकाल विकासखंड के ग्राम गौरगांव निवासी श्रीमती लगनी बाई को त्वरित राहत मिली। जिला कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा बैठक के उपरांत कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना ने जनदर्शन में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे नागरिकों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान लगनी बाई ने राशन कार्ड बनवाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया। कलेक्टर ने उनके आवेदन पर खाद्य विभाग के अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। खाद्य विभाग द्वारा उसी दिन आवश्यक प्रक्रिया पूर्ण कर लगनी बाई को राशन कार्ड बनाकर प्रदान किया गया। राशन कार्ड प्राप्त होने से लगनी बाई और उनका परिवार अब नियमित रूप से शासकीय योजनाओं के अंतर्गत मिलने वाले राशन सामग्री के साथ साथ अन्य योजनाओं का भी लाभ उठा सकेंगे। उन्होंने इस त्वरित सहायता के लिए शासन प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद दिया।

रायपुर जिले के नवाचारों से जुड़ेगा सुजुकी फाउंडेशन

रायपुर। जापान की प्रतिष्ठित कंपनी सुजुकी मोटर कॉर्पोरेशन के प्रतिनिधि मंडल ने आज कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह से सौजन्य मुलाकात की। इस अवसर पर प्रतिनिधि मंडल ने जिला प्रशासन द्वारा चलाए जा रहे प्रोजेक्ट, विशेष रूप से प्रोजेक्ट पिंक दीदी एवं प्रोजेक्ट रचना की सराहना की। प्रतिनिधि मंडल में सुजुकी कम्पनी की वेन्चर नेक्स्ट भारत के डायरेक्टर साइतो सान, मिनोरी एवं केईची सान शामिल थे। प्रतिनिधि मंडल ने प्रोजेक्ट अजा की हितग्राही नागेश्वरी के यहां जाकर प्रोजेक्ट का किया अवलोकन। कलेक्टर ने उन्हें प्रोजेक्ट रचना में बनाए गए कम्प्यूटर एवं पानी बॉटल कव्हर भेंट की, साथ ही उनका शॉल एवं डोकरा आर्ट से सम्मान किया। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने बताया कि जिले में संचालित प्रोजेक्ट पिंक दीदी से जिले की महिलाएं आर्थिक रूप से सशक्त हो रहीं हैं इस प्रोजेक्ट के तहत उन्हें 30 से अधिक ऑटो दिए गए हैं जो नवा रायपुर में आवागमन का अच्छा साधन हैं और साथ ही महिलाएं प्रति माह करीब 30 हजार रुपये से अधिक आय अर्जित कर आत्मनिर्भर बन रहीं हैं।

न्यायालय में लंबित ई-चालानों का लोक अदालत में किया जाएगा निराकरण

रायपुर। डीसीपी विकास कुमार ने निर्देश दिया कि लोक अदालत के बाद भी प्रकरण लम्बित हो तो वाहन को जप्त कर न्यायालय पेश किया जाये। ऐसे ई-चालान जिसका लोगों ने भुगतान नहीं किया है और ऐसे लंबित ई-चालान कोर्ट में ट्रांसफर हो चुके है, उन ई-चालानों का निराकरण दिनांक 14 मार्च को आयोजित होने वाले लोक अदालत में किया जावेगा। अतः ऐसे लोगों के पास राहत पाने का एक मौका है कि वे लोक अदालत में फाईन पटाकर निराकरण करवा लें अन्यथा बाद में उन्हें परेशानी हो सकती है। पुलिस उपायुक्त यातायात विकास कुमार ने निर्देश दिया कि लोक अदालत के बाद भी प्रकरण लम्बित हो तो वाहन को जप्त कर न्यायालय पेश किया जाय।

धमतरी मॉडल बना मिसाल : बाला कॉन्सेप्ट अब पूरे प्रदेश में होगा लागू

श्रीकंचनपथ समाचार

धमतरी। बाल शिक्षा और सर्वांगीण विकास की दिशा में धमतरी जिले की अभिनव पहल अब पूरे प्रदेश के लिए मार्गदर्शक बन गई है। जिले में सफलतापूर्वक लागू किए गए बाला कॉन्सेप्ट को अब संपूर्ण छत्तीसगढ़ में लागू किया जाएगा।

छत्तीसगढ़ शासन के पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा इस संबंध में निर्देश जारी करते हुए महात्मा गांधी नरेगा अंतर्गत ग्राम पंचायतों में निर्मित एवं निर्माणाधीन सभी आंगनबाड़ी भवनों में बाला कॉन्सेप्ट को अनिवार्य रूप से लागू करने के निर्देश दिए गए हैं। निर्देशानुसार, महिला एवं बाल विकास विभाग के समन्वय से आंगनबाड़ी भवनों को इस प्रकार विकसित किया जाएगा कि भवन स्वयं बच्चों के लिए शिक्षण-सहायक सामग्री का कार्य करे। बाला कॉन्सेप्ट के अंतर्गत दीवारों पर वर्णमाला, अंक, आकृतियां, स्थानीय चित्रकथाएं, फर्श पर खेल-आधारित शिक्षण सामग्री, खिड़की-दरवाजों के माध्यम से आकार और माप की समझ जैसे नवाचारी तत्वों को शामिल किया जाएगा।

पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग ने स्पष्ट किया है कि सभी ग्राम पंचायतें स्वीकृत तकनीकी डिज़ाइन एवं निर्धारित वित्तीय प्रावधानों के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण निर्माण सुनिश्चित करें। महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों तथा जनप्रतिनिधियों के समन्वय से इस पहल को प्रभावी रूप से लागू करने पर विशेष बल दिया गया है। साथ ही, प्रदेश में प्रचलित सभी आंगनबाड़ी भवन निर्माण कार्यों को प्राथमिकता के साथ 15 मार्च 2026 तक पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं। कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने कहा कि धमतरी जिले में बाला कॉन्सेप्ट के सकारात्मक परिणाम स्पष्ट रूप से देखने को मिले हैं।

आंगनबाड़ी केंद्र अब केवल भवन नहीं, बल्कि बच्चों के लिए जीवंत शिक्षण प्रयोगशाला के रूप में विकसित हुए हैं। बच्चों की उपस्थिति में वृद्धि, सीखने की गति में सुधार तथा अभिभावकों की संतुष्टि इस पहल की सफलता को दर्शाती है। उन्होंने संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता, सुरक्षा मानकों और समय-सीमा का विशेष ध्यान रखा जाए। साथ ही स्थानीय कलाकारों एवं समुदाय की सहभागिता से आंगनबाड़ी केंद्रों को आकर्षक, सुरक्षित एवं बाल-अनुकूल बनाया जाए।

योग से सशक्त होगा युवा वर्ग, शिक्षा के साथ स्वास्थ्य भी आवश्यक : रूपनारायण सिन्हा

सात दिवसीय शिक्षक एवं योग प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। योग भारत की प्राचीन एवं वैज्ञानिक परंपरा है, जिसे हमारे ऋषि-मुनियों ने गहन शोध एवं अनुभव के आधार पर विकसित किया है। जीव-जंतुओं और वनस्पतियों के स्वाभाविक व्यवहार का अध्ययन कर विभिन्न योग आसनों की रचना की गई।

जो आज भी मानव जीवन को शारीरिक एवं मानसिक रूप से सशक्त बनाने में अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो रहे हैं। यह बात छत्तीसगढ़ योग आयोग के अध्यक्ष रूपनारायण सिन्हा ने कही।

वे श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी रायपुर में आयोग एवं विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित सात दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण एवं योग प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारंभ समारोह को संबोधित कर रहे थे।

अध्यक्ष सिन्हा ने विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ नियमित योगाभ्यास अपनाने की प्रेरणा देते हुए कहा कि आज के युवाओं के लिए मानसिक संतुलन, एकाग्रता एवं सकारात्मक सोच अत्यंत आवश्यक है, जिसे योग के माध्यम से सहज रूप में प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने राष्ट्रसेवा एवं राष्ट्रप्रेम को जीवन का सर्वोच्च आदर्श बताते हुए भावी शिक्षकों से स्वस्थ, अनुशासित एवं संस्कारित समाज निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के प्रारंभ में विश्वविद्यालय प्रबंधन द्वारा मुख्य अतिथि का पुष्पगुच्छ, शाल एवं पौधा भेंटकर स्वागत किया गया। तत्पश्चात भारतीय परंपरा के अनुरूप मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर प्रशिक्षण कार्यक्रम का औपचारिक शुभारंभ किया गया।

उक्त सात दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम विश्वविद्यालय के शिक्षाशास्त्र संकाय अंतर्गत संचालित बी.एड. तृतीय सेमेस्टर में अध्ययनरत 289 विद्यार्थियों के लिए आयोजित किया गया है। कार्यक्रम का उद्देश्य भावी शिक्षकों को योग की सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक जानकारी प्रदान कर उन्हें विद्यालय स्तर पर योग शिक्षण हेतु सक्षम बनाना है।

इस अवसर पर आर्य समाज बैजनाथपारा रायपुर के प्राचार्य योगीराज साहू, प्रति-कुलाधिपति प्रो. शुभाशीष भट्टाचार्य, कुलसचिव डॉ. कमल कुमार प्रधान, लेखा अधिकारी गौरव देवांगन, परिवीक्षा अधिकारी रविकांत कुंभकार, अधिष्ठाता शिक्षा संकाय प्रो. अभिषेक श्रीवास्तव, डॉ. ज्योति साहू सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

सुदूर अंचलों के श्रद्धालुओं को मिला अयोध्या धाम का सौभाग्य, मुख्यमंत्री ने कहा - यही जनसेवा की प्रेरणा

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कोरिया प्रवास के दौरान झुमका जलाशय परिसर में 'श्री रामलला दर्शन योजना' के तहत अयोध्या धाम की पावन यात्रा कर लौटे श्रद्धालुओं से आत्मीय भेंट की। मुख्यमंत्री ने श्रद्धालुओं का हाल-चाल जाना और उनके आध्यात्मिक एवं भक्तिमय अनुभवों को बड़े ध्यानपूर्वक सुना।

श्रद्धालुओं ने मुख्यमंत्री को बताया कि छत्तीसगढ़ शासन के सहयोग से उन्हें निःशुल्क अयोध्या धाम के दर्शन का सौभाग्य प्राप्त हुआ। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा सम्मानपूर्वक यात्रा की समुचित व्यवस्था किए जाने से यह यात्रा उनके लिए अत्यंत सहज और अविस्मरणीय बन गई।

श्रद्धालुओं ने बताया कि अपने सुदूर गांवों से अयोध्या तक पहुँचना उनके लिए पहले कठिन था, किंतु सरकार की पहल ने इसे संभव कर दिया। श्रद्धालुओं ने मुख्यमंत्री श्री साय को 'हमारे राम' तैलचित्र भेंट कर आभार व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने श्रद्धालुओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि प्रभु श्रीराम छत्तीसगढ़ के भांचा हैं और प्रदेशवासियों को उनके दर्शन कराना शासन के लिए सौभाग्य का विषय है। उन्होंने कहा कि सुदूर अंचलों में रहने वाले लोगों तक योजनाओं का लाभ पहुँचाना ही जनसेवा की वास्तविक संतुष्टि है, और सरकार इसी भावना के साथ कार्य कर रही है।

एशिया के नियाग्रा चित्रकोट में बिखरेगी बस्तर की सांस्कृतिक छटा

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। विश्व प्रसिद्ध और एशिया के नियाग्रा के नाम से विख्यात चित्रकोट जलप्रपात के तट पर आगामी 18 फरवरी से दो दिवसीय चित्रकोट महोत्सव-2026 का भव्य आयोजन होने जा रहा है। राज्य शासन और छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल के सहयोग से आयोजित इस भव्य महोत्सव का उद्घाटन 18 फरवरी को संध्या 4 बजे चित्रकोट जलप्रपात ग्राउंड में होगा। यह आयोजन बस्तर की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को वैश्विक मंच पर चमकाने का सुनहरा अवसर साबित होगा।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वन मंत्री केदार कश्यप रहेंगे, जबकि अध्यक्षता बस्तर के सांसद महेश कश्यप करेंगे। अति विशिष्ट अतिथियों में जगदलपुर विधायक किरण सिंह देव और चित्रकोट विधायक विनायक गोयल शामिल होंगे। दंतेवाड़ा विधायक चैतराम अटामी, बस्तर विधायक लखेश्वर बघेल, जिला पंचायत बस्तर की अध्यक्ष वेदवती कश्यप सहित क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि भी शिरकत करेंगे।

नगर निगम जगदलपुर के महापौर संजय पांडेय, छत्तीसगढ़ राज्य बेवरेजेस कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष श्रीनिवास राव मद्दी, छत्तीसगढ़ राज्य अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष रूपसिंह मंडावी, जिला पंचायत बस्तर के उपाध्यक्ष बलदेव मंडावी, केंद्रीय मर्यादित बैंक बस्तर के अध्यक्ष दिनेश कश्यप तथा चित्रकोट के सरपंच भंवर मौर्य भी इस गरिमामयी समारोह में उपस्थित रहेंगे।

महोत्सव बस्तर की लोक संस्कृति को जीवंत रूप से प्रदर्शित करेगा। स्थानीय लोक कलाकारों की मंत्रमुग्ध करने वाली प्रस्तुतियां, स्कूली बच्चों के सांस्कृतिक कार्यक्रम, कबड्डी और वॉलीबॉल जैसी रोमांचक खेल प्रतियोगिताएं इसकी मुख्य आकर्षण होंगी। चित्रकोट जलप्रपात के मनमोहक परिवेश में आयोजित यह उत्सव पर्यटकों को बस्तर की जनजातीय परंपराओं, नृत्य-गीत और हस्तशिल्प से रूबरू कराएगा, जिससे छत्तीसगढ़ का पर्यटन मानचित्र और मजबूत बनेगा। आयोजन समिति ने सभी नागरिकों को इस सांस्कृतिक उत्सव में सादर आमंत्रित किया है।

सरगुजा जिले में पीएम आवास निर्माण ने पकड़ी रफ्तार

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। सरगुजा जिले में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत आवास निर्माण कार्यों में उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की गई है। जिले में स्वीकृत कुल 1,02,210 आवासों में से 80,296 आवास पूर्ण किए जा चुके हैं, जो 50 प्रतिशत से अधिक उपलब्धि को दर्शाता है। इस माह 1,781 आवासों का निर्माण कार्य पूर्ण हुआ है।

निर्माण कार्यों को गति देने के लिए हितग्राहियों को किश्तों की राशि आधार आधारित डीबीटी प्रणाली के माध्यम से सीधे उनके बैंक खातों में समय-सीमा के भीतर अंतरित की जा रही है।

वित्तीय वर्ष 2024-26 में स्वीकृत 36,306 आवासों में से 18,782 आवास पूर्ण हो चुके हैं। योजना के तहत प्रत्येक हितग्राही को 1.20 लाख रुपये की राशि स्वीकृति, प्लिंथ एवं पूर्णता चरण में जियो-टैग आधारित सत्यापन के पश्चात प्रदान की जाती है। अब तक 35,125 हितग्राहियों को प्रथम किश्त (40,000 रुपये), 23,419 को द्वितीय किश्त (55,000 रुपये) तथा 10,367 हितग्राहियों को तृतीय किश्त (25,000 रुपये) जारी की जा चुकी है।

विगत एक माह में 1,634 आवास पूर्ण करते हुए 1,349.05 लाख रुपये की राशि जारी की गई। साथ ही कुल मिलाकर 1,628.60 लाख रुपये हितग्राहियों के खातों में अंतरित किए गए। इसके अतिरिक्त मनरेगा के अंतर्गत 90 मानव-दिवस का मजदूरी भुगतान तथा स्वच्छ भारत मिशन के तहत शौचालय निर्माण उपरांत 12,000 रुपये की अतिरिक्त सहायता भी प्रदान की जा रही है।

पीएम जनमन योजना के तहत जिले में 2,565 पहाड़ी कोरवा हितग्राहियों को स्वीकृति प्रदान की गई है, जिनमें से 1,385 आवास पूर्ण हो चुके हैं। प्रति हितग्राही 2.00 लाख रुपये की सहायता राशि चार चरणों में जारी की जाती है। विगत एक माह में 73 जनमन आवास पूर्ण हुए तथा 217 लाख रुपये की राशि जारी की गई।

मुख्यमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत जिले में 1,024 आवास स्वीकृत किए गए हैं, जिनमें से 214 आवास पूर्ण हो चुके हैं। पिछले एक माह में 74 आवास पूर्ण करते हुए 62.55 लाख रुपये की राशि हितग्राहियों के खातों में अंतरित की गई है।

आवास निर्माण में प्रगति सुनिश्चित करने के लिए 45 आवास मित्रों एवं 218 रोजगार सहायकों को कुल 61.97 लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई है। वर्तमान में जिले में किसी भी हितग्राही की किश्त भुगतान हेतु लंबित नहीं है, जो प्रशासन की पारदर्शी एवं सक्रिय कार्यप्रणाली को दर्शाता है।

आवास निर्माण से संबंधित किसी भी समस्या या सुझाव के लिए हितग्राही राज्य शासन द्वारा जारी निःशुल्क हेल्पलाइन नंबर 1800-233-1290 पर संपर्क कर सकते हैं।

लेप्रोस्कॉपिक सर्जन की पदस्थापना से बलौदा - बाजार जिला अस्पताल की बढ़ी क्षमता

गंभीर बीमारियों के ऑपरेशन में आई तेजी, पदस्थापना से अब तक 16 सफल ऑपरेशन

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। जिला अस्पताल बलौदा बाज़ार में नए जनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन डॉ क़ादिर बेग की पदस्थापना से अस्पताल की क्षमताओं में इज़ाफ़ा हुआ है । अस्पताल में अब हर्निया, हाइड्रोसिल,बवासीर,फिमोसिस,सेलुलाइटिसब्रेस्ट एबिस, फाइब्रोडेमा, लिम्फोमा,सिबेशियस सिस्ट जैसी गंभीर बीमारियों का सफलतापूर्वक उपचार किया जा रहा है ।

जिला मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ राजेश अवस्थी के अनुसार उक्त ऑपरेशन निःशुल्क किये जा रहे हैं साथ ही आवश्यकता पड़ने पर आयुष्मान कार्ड का भी उपयोग किया जाता है । भर्ती मरीज को भोजन नाश्ता भी दिया जाता है। सिविल सर्जन डॉ अशोक कुमार वर्मा ने बताया कि,उक्त ऑपरेशन के बाद मरीज की स्थित अनुसार कुछ दिन भर्ती किया जाता है बाद में छुट्टी हो जाती है। सर्जन की पदस्थापना से अब तक 16 ऐसे ऑपरेशन किये जा चुके हैं। सेलुलाइटिस का उपचार करा चुके भाटापारा निवासी 45 वर्षीय अनिता के परिजनों ने बताया कि,सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र से उन्हें उपचार के लिए जिला अस्पताल रिफर किया गया था।उसके बाद वहां ऑपरेशन किया गया।इसमें आयुष्मान कार्ड का लाभ मिला। एक हफ्ते भर्ती रहे उसके बाद छुट्टी हो गई। अभी स्थिति ठीक हैं ।

मुद्रा लोन से साकार हुआ सपना, बुढाडांड की प्रीति गुप्ता बनीं लखपति दीदी

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। अपने दुकान में सौंदर्य प्रसाधन से लेकर घरेलू सामान का विक्रय करती प्रीति गुप्ता महिला सशक्तिकरण की मिसाल बन चुकी हैं। उनके चेहरे पर एक अलग ही आत्मविश्वास झलकता है। वह उत्साह से बताती है कि मुद्रा लोन की मदद से वह अपना व्यापार खड़ा कर पाई है। लक्ष्मी स्व-सहायता समूह से जुड़ी प्रीति ने बताया कि उन्हें 01 लाख रुपए मुद्रा लोन के रूप में मिला था। आज वह अपने व्यापार से सालाना लगभग 2.50 लाख रुपए तक कमाई कर पाती है।

जशपुर जिला के विकासखंड बगीचा के ग्राम बुढाडांड की रहने वाली प्रीति गुप्ता ने मुद्रा लोन लेकर दुर्गा श्रृंगार एवं किराना दुकान की शुरुआत की। प्रारंभ में छोटे स्तर पर दुकान संचालित करने वाली प्रीति ने धीरे-धीरे ग्राहकों की जरूरतों को समझते हुए दुकान का विस्तार किया। आज उनकी दुकान गांव की प्रमुख दुकानों में गिनी जाती है। सौंदर्य प्रसाधन से लेकर हर जरूरत का सामान उनकी दुकान में उपलब्ध है। मुद्रा लोन से मिली आर्थिक सहायता एवं मेहनत और लगन का ही परिणाम है कि आज वे प्रतिवर्ष लगभग 2.50 लाख का शुद्ध लाभ कमा रही हैं। उन्होंने अपने आत्मविश्वास, परिश्रम और बिहान योजना के सहयोग से लखपति दीदी बनने का सपना साकार किया है। प्रीति गुप्ता, मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि महिलाओं की सशक्तीकरण के लिए किए जा रहे कार्यों की वजह से आज मेरे जैसी कितनी महिलाएं आत्मनिर्भर हो पाई हैं।

'इंडस्ट्री में हमेशा सम्मान मिला'

सनी लियोनी ने बताया कैसे की 'कैनेडी' की तैयारी

सनी लियोनी अनुराग कश्यप की आगामी फिल्म 'कैनेडी' में एक अलग अवतार में नजर आएंगी। अब अभिनेत्री ने फिल्म, अपने किरदार और अपनी बायोग्राफी को लेकर बात की। जानिए अनुराग कश्यप को लेकर एक्ट्रेस ने क्या कुछ कहा......

सनी लियोनी इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'कैनेडी' को लेकर चर्चाओं में बनी हुई हैं। अनुराग कश्यप द्वारा निर्देशित यह फिल्म जल्द ही ओटीटी पर रिलीज होने वाली है। यह वही फिल्म है जो 2023 में कान फिल्म फेस्टिवल में दिखाई गई थी। फिल्म को कई इंटरनेशनल फेस्टिवल्स में काफी सराहना भी मिली है। अब फिल्म भारत में रिलीज को तैयार है।

सनी लियोनी ने कहा जब मैं अपने सफर पर नजर डालती हूं तो लगता है कि इतने वर्षों बाद भी 'कैनेडी' मेरे भीतर कहीं न कहीं जिंदा है। मुझे बहुत खुशी है कि यह फिल्म अब ऑडियंस के सामने आने वाली है। मैं इतने समय से इसे अपने भीतर लेकर चल रही थी। अब इसे लोगों तक पहुंचते देखना मेरे लिए बेहद भावुक क्षण है।

चार्ली का किरदार अपने आप में एक रहस्य जैसा था। इसमें कई परतें और कई तरह की ऊर्जा थीं। मुझे उसे खुद में उतारना था ताकि वह मेरा हिस्सा बन जाए। निर्देशक अनुराग कश्यप की आवाज और उनका समझाने का तरीका मेरे लिए मार्गदर्शन बनता था। हम रोज काम शुरू करने से पहले पढ़ते और सुनते थे। फिर समझते और कुछ नया खोजते थे।

फिल्म का अनुभव सबसे खास रहा

अनुराग सर ने मुझसे कहा था कि चार्ली की हंसी बिल्कुल वैसी ही चाहिए जैसी वह कल्पना कर रहे हैं। इस हंसी को अपने भीतर लाना मेरे लिए आसान नहीं था। मुझे हर जगह हंसना पड़ता था। कार और लिफ्ट में भी हंसना पड़ता था। सेट पर इतने लोग होते थे कि वे मुझे देखकर सोचते थे कि मैं क्यों हंस रही हूं। कई बार मुझे लगता था कि लोग मुझे पागल समझ रहे होंगे।

सच कहूं तो यह बात मुझे और मजेदार लगती थी क्योंकि मुझे मस्ती करना पसंद है और यह चार्ली वाली मस्ती एक अलग तरह की आजादी देती थी। धीरे-धीरे वह हंसी मेरे भीतर बस गई। इससे मैं चार्ली को गहराई से महसूस कर पाई। ये बात मैं कभी भूल नहीं सकती।

अनुराग कश्यप के सामने अपनी बात रखना आसान होता है

अनुराग कश्यप के साथ काम करते हुए मैं हमेशा सुरक्षित महसूस करती थी। बाहर से लोग सोचते हैं कि वह गंभीर या कठोर होंगे। लोग उनकी फिल्मों या कहानियां देखकर उनके बारे में एक इंटेंस पर्सनालिटी की छवि बना लेते हैं। पर असल में वह बहुत नरमदिल व्यक्ति हैं। उनके सामने बैठकर बात करते समय हमेशा लगता था कि मेरी बात को महत्व मिल रहा है।

हर कलाकार को यह एहसास नहीं मिलता कि उसे सुना जा रहा है। उन्होंने मुझे वही बनने दिया जो मैं उस पल बनना चाहती थी। यही वजह है कि उनसे जुड़ा हर अनुभव मेरे दिल में खास जगह रखता है।

इस फिल्म को कान फिल्म फेस्टिवल में मिली एंट्री

उस वक्त जो खुशी मिली थी उसे शब्दों में नहीं बांधा जा सकता। वहां मुझे एक छोटा सा कागज मिला था, जिसमें मेरी सीट का नंबर लिखा था। वही मेरे लिए सबसे बड़ा अवॉर्ड था। उस टिकट को मैंने आज भी एक किताब के भीतर संभाल कर रखा है।

मेरी बायोपिक 'करणजीत कौर: द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ सनी लियोनी' 2018 में रिलीज हुई थी। उस वक्त प्रोडक्शन के कुछ मसलों के चलते इसका दूसरा भाग नहीं आ सका पर मेरी अपनी कहानी में अब भी बहुत सारे अध्याय बाकी है, जिन्हें दुनिया ने न देखा न सुना है। मौका मिला तो मैं अवश्य अपना जीवन फिर से खोलकर रखना चाहूंगी।

सफलता की सबसे बड़ी परिभाषा, अवॉर्ड्स कितने मायने रखते हैं

मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं यहां तक पहुंचूंगी। एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में जब आप दूसरों की सफलताए देखते हैं, तो मन में एक छोटी सी इच्छा उठती है। लगता है कि काश मुझे भी कोई ऐसा अवसर मिले जिसमें मुझे पहचान मिले। यह भावना हर कलाकार के भीतर होती है और मेरे भीतर भी थी। लेकिन मैंने कभी कल्पना नहीं की थी कि मैं एक दिन यहां बैठकर अपने प्रोजेक्ट के बारे में इस तरह बात करूंगी।

15 वर्ष हो चुके हैं और मैं बहुत खुश हूं कि मैं इस मुकाम पर हूं। मेरे जीवन में ऐसे लोग हैं जो हर कदम पर मुझे ऊपर उठाते हैं और आगे बढ़ने की ताकत देते हैं। मैं खुद को बेहद सौभाग्यशाली मानती हूं।

पेशेवर स्तर पर महामारी के बाद इंडस्ट्री में बहुत बदलाव आए। ऑडियंस अब दुनिया भर की कहानियां देखते हैं और कंटेंट को नए नजरिए से समझते हैं। मुझे लगता है कि भारत को वैश्विक सिनेमा की कतार में पहले की तुलना में और मजबूती से खड़ा होना चाहिए।

'दुनिया मेहनत नहीं देखती'

राजकुमार राव के समर्थन में उतरीं पत्नी पत्रलेखा

राजकुमार राव इन दिनों अपने बढ़े हुए वजन को लेकर चर्चाओं में बने हुए हैं। अब पत्नी पत्रलेखा ने राजकुमार का समर्थन किया है। साथ ही उन्होंने ट्रोलर्स को करारा जवाब भी दिया है। जानिए एक्ट्रेस ने क्या कुछ कहा......

हाल ही में अभिनेता राजकुमार राव को उनके बढ़े हुए वजन को लेकर ट्रोल किया गया था। लोगों ने उन्हें बूढ़ा तक कह डाला था। इसके बाद बीते दिन राजकुमार राव ने आलोचकों को जवाब देते हुए वजन बढ़ाने का कारण भी बताया था। अब अभिनेता की पत्नी व एक्ट्रेस पत्रलेखा ने राजकुमार राव का सपोर्ट किया है। साथ ही उन्होंने ट्रोलर्स पर भी निशाना साधा है।

पत्रलेखा ने किया राजकुमार का सपोर्ट

पत्रलेखा ने राजकुमार राव की एक पोस्ट को अपनी स्टोरी पर शेयर करते हुए अभिनेता का सपोर्ट किया है। राजकुमार राव पर गर्व जताते हुए पत्रलेखा ने स्टोरी पर अपने नोट में लिखा, 'आप पर बहुत गर्व है। आप हर फिल्म प्रोजेक्ट के लिए अपना सब कुछ देते हैं। दुनिया उस प्रोसेस और मेहनत को नहीं देखती, जो एक एक्टर के किरदार को बनाने में लगाता है। आखिरी नतीजा हमेशा आसान दिखता है। नजर आने वाले सारे फेम और ग्लैमर के पीछे, एक एक्टर की जिंदगी खून, पसीने, आंसुओं और पर्सनल लाइफ के त्याग से भरी होती है।'

'निकम' फिल्म के लिए राजकुमार ने बढ़ाया वजन

हाल ही में राजकुमार राव एक इवेंट में शामिल हुए थे। जहां उनके बदले हुए लुक को देखकर लोगों ने उन्हें ट्रोल किया था और बूढ़ा बता दिया था।

इसके बाद राजकुमार राव ने अपने इंस्टाग्राम पर एक लंबा-चौड़ा पोस्ट साझा किया था।

इसमें उन्होंने बताया था कि उन्होंने अपनी आगामी फिल्म 'निकम' के लिए 9-10 किलो वजन बढ़ाया है।

इसके लिए उन्होंने काफी मेहनत की और पिज्जा, मिठाई, आलू पराठे और बिरयानी सहित हाई कैलोरी वाले खाने का सेवन किया।

एक्टर ने पोस्ट में ये भी बताया था कि उन्हें प्रोस्थेटिक मेकप पसंद नहीं है, इसलिए जहां तक संभव होता है वो अपने शरीर पर मेहनत करते हैं।

पोस्ट में राजकुमार राव ने अपनी उन पिछली फिल्मों का भी जिक्र किया, जिनके लिए उन्होंने ट्रांसफॉर्मेशन किया। इसमें 'बोस', 'श्रीकांत' और 'ट्रैप्ड' जैसी फिल्में शामिल हैं।

नेटफ्लिक्स की फिल्म में नजर आएंगे राजकुमार राव

वर्कफ्रंट की बात करें तो अभिनेता आखिरी बार पिछले साल रिलीज हुई फिल्म 'मालिक' में नजर आए थे। हालांकि, फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कोई खास कमाल नहीं दिखा पाई थी। इसके अलावा उनकी आगामी फिल्मों में नेटफ्लिक्स की फिल्म 'टोस्टर' शामिल है। इसमें उनके साथ सान्या मल्होत्रा और अभिषेक बनर्जी भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। इसके अलावा उनकी पाइपलाइन में दो बायोपिक 'निकम' और पूर्व भारतीय क्रिकेटर सौरव गांगुली की बायोपिक भी शामिल हैं।

'स्टार को बीमा पॉलिसी समझते हैं मेकर्स'

मोना सिंह बोलीं- मेरे नाम पर कोई 100 करोड़ की फिल्म नहीं बनाएगा

टीवी की जस्सी के नाम से मशहूर अभिनेत्री मोना सिंह अब इंडस्ट्री की सबसे बिजी अभिनेत्रियों में से एक हैं। वो फिल्मों के साथ-साथ वेब सीरीज में भी लगातार काम कर रही हैं। हाल ही में मोना सिंह नेटफ्लिक्स की सीरीज 'कोहरा' के दूसरे सीजन में नजर आई हैं। लगातार फिल्मों और सीरीज में अहम भूमिकाएं निभाने के बावजूद मोना सिंह का कहना है कि प्रोड्यूसर्स उनके नाम पर 100 करोड़ रुपए के बजट की फिल्म बनाने का जोखिम नहीं उठाना चाहते।

मुझे पता है मैं क्या नहीं चाहती

न्यूज 18 के साथ बातचीत के दौरान मोना सिंह ने अपने करियर के उस मुकाम पर होने की बात की, जहां वह आसानी से प्रोजेक्ट्स को ठुकरा नहीं सकतीं। अभिनेत्री ने कहा कि यह मेरे द्वारा लिए गए फैसलों की वजह से ही है कि मैं यहां हूं। मैंने प्रासंगिक बने रहने और अपने सिद्धांतों पर कायम रहने की कोशिश की है। इसलिए मैंने कई प्रोजेक्ट्स को मना किया है। हालांकि, मना करना कभी आसान नहीं होता। मुझे लगता है कि जीवन में मुझे पता है कि मैं क्या नहीं चाहती। यह स्पष्टता अब मेरे भीतर है।

पोस्टर पर स्टार लाता है बॉक्स ऑफिस पर पैसा

अभिनेत्री ने आगे कहा कि निर्माता सितारों को एक बीमा पॉलिसी की तरह देखते हैं, ताकि उन्हें अपना पैसा वापस मिल सके। पोस्टर पर एक स्टार बॉक्स ऑफिस कलेक्शन की गारंटी देता है। फिल्म निर्माण आखिरकार एक व्यवसाय है। आप जानते हैं कि आप निवेश कर रहे हैं और आपको उससे कहीं अधिक पैसा वापस मिलने की उम्मीद है। दूसरी ओर किरदार सिर्फ सर्विस प्रोवाइडर बनकर रह जाते हैं। यही सच्चाई है। अगर आप मेरी मुख्य भूमिका वाली 100 करोड़ रुपये की फिल्म की बात कर रहे हैं, तो मुझे ऐसा होता हुआ नहीं दिख रहा है।

'कोहरा 2' में नजर आई हैं मोना सिंह

वर्कफ्रंट की बात करें तो मोना सिंह हाल ही में नेटफ्लिक्स की सीरीज 'कोहरा' के दूसरे सीजन में नजर आई हैं। सुदीप शर्मा, गुंजित चोपड़ा और दिग्गी सिसोदिया द्वारा निर्मित और रणदीप झा द्वारा निर्देशित इस क्राइम थ्रिलर में मोना सिंह मुख्य भूमिका में हैं। उनके साथ बरुण सोबती, रणविजय सिंह, अनुराग अरोरा और पूजा भामर्रा भी अहम भूमिकाओं में नजर आए हैं। सीरीज को क्रिटिक्स और दर्शकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है।

आरुषि चावला द 50 से हुई बाहर महल बना जंग का मैदान

द 50 शो इन दिनों सोशल मीडिया पर जबरदस्त चर्चा में बना हुआ है, जिसमें सभी खिलाड़ियों के बीच खतरनाक लड़ाई देखने को मिल रही है। आरुषि चावला को द 50 से एविक्शन ऑर्डर मिला। उनका नाम अनाउंस होने के बाद वह फूट-फूट कर रोने लगीं। महल से बाहर निकलते समय उन्होंने कृष्णा, ऋषि, शीनू, रिधिमा और करण से कहा कि उन्होंने उन्हें गलत समझा है। गेम के दौरान आरुषि के गेम खेलने की जमकर बुराई भी की, जब उन्होंने नेहल चुडासमा को डेंजर जोन में भेज दिया और उन पर शो में दोनों पार्टियों का साथ देने का भी आरोप लगा। उन्होंने अपना बचाव करते हुए कहा, मैं वैसी नहीं हूं, जो कुछ सोचती है कुछ बोलती है। ये एपिसोड आरुषि के कारण चर्चा में बना हुआ है।

आरुषि चावला कौन हैं, जो सोशल मीडिया पर चर्चा में बनी हुई हैं। यह सवाल हर किसी के दिमाग में चल रहा है। आरुषि एक एक्ट्रेस, मॉडल और डांसर हैं। उनका जन्म 1994 में दिल्ली में हुआ था। आरुषि ने माउंट कार्मेल स्कूल से अपनी पढ़ाई पूरी की और बाद में वेंकटेश्वर कॉलेज से हायर स्टडीज की, जहां उन्होंने केमिस्ट्री में बैचलर ऑफ साइंस की डिग्री हासिल की।

2017 में आरुषि डांस फैकल्टी मेंबर के तौर पर वर्व डांस क्रू में शामिल हुईं। उसके बाद साल 2018 में उन्होंने अपना खुद का डांस स्टूडियो शुरू किया। इसके बाद उन्हें पैराशूट, हीरो बाइक, माउंटेन ब्रीज स्ट्रिप्स और पॉन्ड्स जैसे कई एडवर्टाइजमेंट ऑफर किए गए। 2020 में आरुषि ने एमटीवी रोडीज रेवोल्यूशन सीजन 17 में हिस्सा लिया। हाल ही में उन्होंने मिस स्कूबा इंडिया 2025 का टाइटल जीता। वह एक फिटनेस फ्रिक भी हैं, जिन्हें डांसिंग, पिलेट्स और कई दूसरी फिजिकल एक्टिविटीज करते देखा जा सकता है। उनका पूरा इंस्टाग्राम उनकी वर्कआउट पोस्ट से भरा पड़ा है। द 50 में एक टेंशन वाला पल पूरे महल में तब झगड़े में बदल गया, जब डेंजर जोन को लेकर हुई अनबन से आरुषि और करण के बीच जुबानी जंग शुरू हो गई। आरुषि ने भेजे जाने के आइडिया का कड़ा विरोध किया और जोर देकर कहा कि उसे बचाने के लिए कोई अलायंस नहीं है और वह एक आसान टारगेट होगी, लेकिन करण पटेल ने उसकी बात को खारिज कर दिया और उसे नेगेटिव कहा। नेहल चुडासमा ने करण का बचाव करते हुए आरुषि को नार्सिसिस्टिक कहा, जबकि रिद्धि डोगरा ने उस पर दोमुंहा होने का आरोप लगाया और उसे सांप तक बोल दिया।

गर्मियों के दौरान जिम जाने से पहले खाएं ये चीजें, एक्सरसाइज के लिए मिलेगी ऊर्जा

गर्मी का मौसम शरीर को बहुत थका देता है, खासकर अगर आप जिम में एक्सरसाइज करते हैं। इस मौसम में पसीना अधिक आता है, जिससे शरीर में जरूरी नमक की कमी हो सकती है। इसके कारण आपको कसरत करते हुए थकान और कमजोरी महसूस हो सकती है। हालांकि, अगर आप जिम जाने से पहले सही चीजें खाते हैं तो आप खुद को तारो-ताजा रख सकते हैं। जिम जाने से पहले डाइट में ये 5 चीजें शामिल करें।

केला खाएं

केला प्राकृतिक मिठास, पोटेशियम और कार्बोहाइड्रेट का अच्छा स्त्रोत है। यह आपके शरीर को तुरंत ऊर्जा दे सकता है, जिससे आप जिम में अधिक समय तक और बेहतर तरीके से एक्सरसाइज कर सकते हैं। केला खाने से आपको ताजगी का एहसास भी होगा और यह पाचन स्वास्थ्य पर भी अच्छा असर डालेगा। इसके अलावा इसमें मौजूद प्राकृतिक तत्व शरीर को हाइड्रेटेड रखते हैं और थकान को दूर करने में मदद करते हैं।

पानी पीते रहें

शरीर को अच्छी तरह चलाने के लिए पानी पीना सबसे जरूरी है। जिम जाने से पहले और उसके दौरान भरपूर पानी पिएं, ताकि आपका शरीर ताजगी से भरा रहे। पसीना आने से शरीर में पानी की कमी हो सकती है, जिससे थकान और कमजोरी महसूस हो सकती है। इसलिए, जिम से पहले और दौरान कम से कम 2-3 गिलास पानी जरूर पिएं। इसके अलावा आप नारियल पानी या नींबू पानी भी पी सकते हैं, जो नमक से भरपूर होते हैं।

हल्का नाश्ता करें

जिम जाने से कम से कम 30 मिनट पहले हल्का नाश्ता करें, जिसमें प्रोटीन और कार्बोहाइड्रेट मौजूद हों। आप ओट्स, पोहा, दही या प्रोटीन युक्त सैंडविच का सेवन कर सकते हैं। इससे आपके शरीर को ऊर्जा मिलेगी और आप थकान महसूस नहीं करेंगे। हल्का नाश्ता करने से आपकी ऊर्जा स्तर बढ़ेगा और आप जिम में अधिक समय तक और बेहतर तरीके से एक्सरसाइज कर सकेंगे। इसके अलावा यह पाचन तंत्र पर भी प्रभाव डालेगा।

तले हुए और भारी भोजन से बचें

जिम जाने से पहले तले हुए और भारी भोजन का सेवन न करें, क्योंकि ये पाचन तंत्र पर भारी पड़ सकते हैं और आपको असुविधा हो सकती है। इससे एक्सरसाइज करते समय आपको भारीपन महसूस होगा या उलटी भी आ सकती है। तले हुए भोजन से पेट में जलन और गैस भी हो सकती है, जिससे आपका मनोबल टूट सकता है। इसके बजाय आप फल, सूखे मेवे या हल्का नाश्ता कर सकते हैं, जो आसानी से पच जाते हैं।

चाय या कॉफी से परहेज करें

जिम जाने से पहले चाय या कॉफी का सेवन नहीं करना चाहिए, क्योंकि ये आपकी नींद को प्रभावित कर सकती हैं और शरीर में जलन पैदा कर सकती हैं। इससे आपकी कसरत करने की क्षमता भी कम हो सकती है। इसके बजाय आप हर्बल चाय, नारियल पानी या नींबू पानी पी सकते हैं, जो बिना किसी नुकसान के ऊर्जा प्रदान करते हैं। इन सुझावों को अपनाकर आप गर्मियों में भी जिम जाकर फिट रह सकते हैं।

विकसित छत्तीसगढ़ की दिशा में बड़ा कदम- शिक्षा कौशल और रोजगार पर मंथन के लिए 'शिक्षा संवाद'

डिजिटल नवाचार से उद्योग साझेदारी तक - 'शिक्षा संवाद' में उच्च शिक्षा के भविष्य की रूपरेखा तय

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। राज्य में शिक्षा, कौशल विकास और रोजगार के बेहतर समन्वय को लेकर आज 'शिक्षा संवाद' का आयोजन रायपुर के स्थानीय होटल में किया गया। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में शिक्षाविदों, उद्योग विशेषज्ञों और नीति निर्माताओं की भागीदारी रही। उच्च शिक्षा विभाग और आईआईटी मद्रास और लिंकन युनिवर्सिटी के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। उद्घाटन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उच्च शिक्षा मंत्री टंक राम वर्मा की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस अवसर पर उच्च शिक्षा विभाग के सचिव डॉ. एस. भारतीदासन,आयुक्त डॉ. संतोष कुमार देवांगन, सीईओ इलेट्स डॉ. रवि गुप्ता, डायरेक्टर आई.सी.एफ.ए.आई. सुधाकर राव,हाइ कमिश्नर ऑफसैशेल्स एच. ई. हरिसोया लालटीआना सहित विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपति,रजिस्ट्रार, प्रोफेसर उपस्थित थे।

विकसित छत्तीसगढ़ के लिए शिक्षा, कौशल और रोजगार का सेतु, थीम पर आधारित सत्र में उच्च शिक्षा को रोजगारोन्मुख बनाने, उद्योग की जरूरतों के अनुरूप पाठ्यक्रमों के समायोजन और क्षेत्रीय विकास की प्राथमिकताओं पर विशेष चर्चा हुई। आयोजन का उद्देश्य शिक्षा व्यवस्था को उद्योग की जरूरतों से जोड़ते हुए युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसरों का मार्ग प्रशस्त करना है। विभिन्न सत्रों में नई शिक्षा नीति, कौशल उन्नयन, उद्योग-शिक्षा साझेदारी, स्टार्टअप अवसर और भविष्य की रोजगार संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। विशेषज्ञों का मानना है कि इस प्रकार के संवाद से राज्य में शिक्षा की गुणवत्ता और युवाओं की रोजगार क्षमता दोनों में सकारात्मक बदलाव आएगा। 'शिक्षा संवाद' को छत्तीसगढ़ के शैक्षणिक और औद्योगिक विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

'शिक्षा संवाद' के दूसरे चरण में उच्च शिक्षा को डिजिटल, उद्योगोन्मुख और शोध आधारित बनाने पर गहन मंथन हुआ। विभिन्न सत्रों में कुलपतियों, शिक्षाविदों, उद्योग प्रतिनिधियों और नीति विशेषज्ञों ने भाग लेकर शिक्षा प्रणाली को नई दिशा देने के सुझाव प्रस्तुत किए।

रोजगारोन्मुखी शिक्षा के लिए इंडस्ट्रीज-अकादमिक सहयोग

इस सत्र में उद्योग की जरूरतों के अनुरूप पाठ्यक्रम, इंटर्नशिप एवं अप्रेंटिसशिप, सेक्टर स्किल काउंसिल की भूमिका और परिणाम आधारित शिक्षा पर विचार रखे गए। वक्ताओं ने कहा कि विश्वविद्यालयों और उद्योग जगत के बीच मजबूत तालमेल से युवाओं को बेहतर रोजगार अवसर मिलेंगे।

डिजिटल इनोवेशन से बदलती उच्च शिक्षा

इस सत्र में डिजिटल कैंपस, एलएमएस एवं ब्लेंडेड लर्निंग मॉडल, एआई आधारित शिक्षण-मूल्यांकन, डेटा आधारित प्रशासन तथा साइबर सुरक्षा जैसे विषयों पर चर्चा हुई। विशेषज्ञों ने माना कि तकनीक के समुचित उपयोग से पारदर्शिता और गुणवत्ता दोनों में सुधार संभव है।

ज्ञान अर्थव्यवस्था की ओर -शोध, नवाचार और उद्यमिता

अंतिम तकनीकी सत्र में शोध के वर्तमान परिदृश्य, नवाचार केंद्रों की स्थापना, स्टार्टअप प्रोत्साहन, अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और शोध के व्यावसायीकरण पर चर्चा हुई। विशेषज्ञों ने शिक्षा संस्थानों में इनोवेशन कल्चर विकसित करने की आवश्यकता पर बल दिया। 'शिक्षा संवाद' को राज्य में उच्च शिक्षा के आधुनिकीकरण, उद्योग सहयोग और युवाओं के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है। कार्यक्रम का समापन सचिव डॉ. एस. भारतीदासन और उच्च शिक्षा आयुक्त डॉ. संतोष कुमार देवांगन के सार-संक्षेप के साथ हुआ। 'शिक्षा संवाद 2026' ने राज्य में भविष्य उन्मुख, नवाचार- प्रधान और उद्योग-संरेखित उच्च शिक्षा पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण की दिशा में ठोस कदम बढ़ाने का संकल्प दोहराया।

भारत माता वाहिनी योजना से मजबूत हुआ नशामुक्ति जन आंदोलन, 4 हजार से अधिक व्यक्तियों को मिला पुनर्वास लाभ

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। प्रदेश में नशामुक्ति के प्रति व्यापक जनजागरण एवं सामुदायिक सहभागिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से संचालित भारत माता वाहिनी योजना के तहत प्रभावी पहल की जा रही है। राज्य के प्रत्येक विकासखण्ड में 8-सदस्यीय संरचना के साथ कुल 3154 भारत माता वाहिनी समूहों का गठन किया गया है, जो गांव-गांव में नशामुक्ति के संदेश का प्रसार कर रहे हैं।

ग्राम पंचायत स्तर पर महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा नशामुक्ति के समर्थन में रैली, प्रभात फेरी, जनजागरूकता अभियान, नशा छोड़ने का संकल्प एवं शपथ कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इन गतिविधियों से ग्रामीण क्षेत्रों में सकारात्मक सामाजिक वातावरण निर्मित हुआ है तथा युवाओं में नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूकता बढ़ी है।

राज्य के 25 जिलों में स्वैच्छिक संस्थाओं के माध्यम से 26 नशामुक्ति केंद्र संचालित हैं। इन केंद्रों में अब तक 4379 नशा पीड़ित व्यक्तियों को उपचार एवं पुनर्वास सेवाओं से लाभान्वित किया गया है। केंद्रों में चिकित्सकीय परामर्श, नियमित स्वास्थ्य परीक्षण, मनोवैज्ञानिक काउंसलिंग, योग एवं अनुशासित दिनचर्या के माध्यम से प्रभावित व्यक्तियों को स्वस्थ जीवन की ओर प्रेरित किया जा रहा है।

जिला बलरामपुर इस अभियान का प्रेरक उदाहरण बनकर उभरा है। यहां सक्रिय भारत माता वाहिनी समूहों द्वारा सतत जागरूकता गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। साथ ही जिले में संचालित नशामुक्ति केंद्र के माध्यम से अब तक लगभग 478 नशा पीड़ित व्यक्तियों को उपचार एवं पुनर्वास का लाभ प्रदान किया गया है, जिससे वे पुनः समाज की मुख्यधारा में सम्मानपूर्वक जुड़ सके हैं।

उल्लेखनीय है कि नशा केवल व्यक्ति ही नहीं, बल्कि परिवार एवं समाज को भी प्रभावित करता है। इस तथ्य को दृष्टिगत रखते हुए राज्य शासन द्वारा जनभागीदारी आधारित मॉडल को अपनाकर नशामुक्ति अभियान को सशक्त रूप से क्रियान्वित किया जा रहा है। भारत माता वाहिनी योजना के माध्यम से प्रदेश को नशामुक्त, स्वस्थ एवं जागरूक समाज की दिशा में आगे बढ़ाने के प्रयास निरंतर जारी हैं।

सोलर नल-जल योजना से कुमा में पहुंच रहा हर घर स्वच्छ पेयजल

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। रायगढ़ के धरमजयगढ़ विकासखंड का कुमा ग्राम पंचायत आज ग्रामीण परिवर्तन की एक सशक्त मिसाल बनकर उभरा है। जिला मुख्यालय से लगभग 100 किलोमीटर दूर बसे इस गांव में कभी पानी की समस्या जीवन का सबसे बड़ा संघर्ष थी। आज वही गांव जल जीवन मिशन के तहत स्थापित सोलर नल-जल योजना से आत्मनिर्भरता, स्वच्छता और समृद्धि की नई कहानी लिख रहा है।

कुछ वर्ष पहले तक ग्राम कुमा में जल संकट सामान्य बात थी। महिलाएं सुबह से लेकर दोपहर तक हैंडपंपों के पास कतार में खड़ी दिखाई देती थीं। गर्मी के दिनों में जलस्तर गिरने से स्थिति और भी गंभीर हो जाती थी। कई बार पानी के लिए दूर-दूर तक जाना पड़ता था। इस दैनिक संघर्ष ने महिलाओं का समय, श्रम और ऊर्जा छीन लिया था। बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होती थी और परिवार के स्वास्थ्य पर भी नकारात्मक असर पड़ता था। गांव के जीवन की रफ्तार पानी की उपलब्धता पर निर्भर थी और यही सबसे बड़ी चुनौती बनी हुई थी।

गांव में जल जीवन मिशन के अंतर्गत सौर ऊर्जा आधारित नल-जल प्रदाय प्रणाली स्थापित किए जाने के बाद परिवर्तन की कहानी शुरू हुई। गांव में लगाए गए सोलर पैनलों से संचालित पंप के माध्यम से जल को ऊंची टंकी तक पहुंचाया जाता है और वहां से पाइपलाइन द्वारा प्रत्येक घर तक नियमित जल आपूर्ति की जाती है। यह व्यवस्था बिजली पर निर्भर नहीं है, इसलिए बिजली की आपूर्ति बाधित होने पर भी कोई प्रभाव नहीं पड़ता। पर्यावरण के अनुकूल यह प्रणाली न्यूनतम रखरखाव में दीर्घकालिक समाधान प्रदान कर रही है।

कुमा में अब हर घर स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल पहुंच रहा है, जिससे गांव की जीवन शैली में स्थायी परिवर्तन आया है। गांव की देवमती बताती हैं कि पहले रोज दो से तीन घंटे बाहर से पानी लाने में निकल जाते थे।

उस समय वे न तो बच्चों की पढ़ाई पर ध्यान दे पाती थीं और न ही किसी और काम के लिए समय निकाल पाती थीं। अब घर पर ही नल से नियमित जल आपूर्ति होने से उनका जीवन पूरी तरह बदल गया है। वे अपने बच्चों की पढ़ाई-लिखाई पर अधिक समय दे रही हैं, स्वसहायता समूह की गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग ले रही हैं और सामाजिक कार्यक्रमों में भी सहभागिता बढ़ी है।

स्वच्छ पेयजल मिलने से परिवार का स्वास्थ्य बेहतर हुआ है और जलजनित बीमारियों में कमी आई है। देवमती गर्व से कहती हैं, अब हमें पानी के लिए संघर्ष नहीं करना पड़ता। घर पर ही स्वच्छ पानी मिलने से हमारा जीवन सरल और सुरक्षित हो गया है। बाहर से पानी लाने की बाध्यता समाप्त होने से महिलाओं को समय की स्वतंत्रता मिली है। वे इस समय को अब आयवर्धक गतिविधियों और सामाजिक भागीदारी में लगा रही हैं। इससे महिलाओं में आत्मविश्वास बढ़ा है और वे निर्णय प्रक्रिया में भी अधिक सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। यह परिवर्तन केवल सुविधा तक सीमित नहीं है, बल्कि सामाजिक सम्मान और आर्थिक सुदृढ़ता की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ है। विद्यालयों और आंगनबाड़ी केंद्रों में स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता से बच्चों की उपस्थिति और स्वास्थ्य में सुधार देखा गया है, स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ी है और घरों में शौचालय के उपयोग को भी प्रोत्साहन मिला है।

कुमा में ग्राम स्तर पर जल प्रबंधन समिति का गठन किया गया है, जो जल आपूर्ति प्रणाली के रखरखाव और निगरानी की जिम्मेदारी संभाल रही है। इससे ग्रामीणों में जिम्मेदारी और सामुदायिक सहभागिता की भावना विकसित हुई है। आज कुमा केवल एक गांव नहीं, बल्कि प्रेरणा का प्रतीक है। यहां बहता स्वच्छ जल केवल प्यास नहीं बुझा रहा, बल्कि विकास, आत्मसम्मान और उज्ज्वल भविष्य की नई धारा प्रवाहित कर रहा है।

केन्द्रीय पर्यवेक्षकों ने छत्तीसगढ़ में पशुधन योजनाओं का लिया फीडबैक

दुर्ग, बालोद और बेमेतरा जिले पहुंचकर योजनाओं का किया निरीक्षण, पशुपालकों से की चर्चा

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। भारत सरकार द्वारा नियुक्त केन्द्रीय पर्यवेक्षकों का दल 09 से 14 फरवरी तक छत्तीसगढ़ प्रवास पर रहा। इस दौरान वे पशुधन विकास विभाग के केन्द्र प्रवर्तित योजनाओं की छत्तीसगढ़ प्रगति की जानकारी ली केंद्रीय पर्यवेक्षकों को दल दुर्ग, बालोद एवं बेमेतरा जिले का दौरा कर योजनाओं के क्रियान्वयन का निरीक्षण किया और पशुपालकों से चर्चा की। केंद्रीय पर्यवेक्षकों के दल ने छत्तीसगढ़ में पशुधन विकास योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन की सराहना की।

केंद्रीय दल प्रवास के प्रथम चरण में संचालनालय स्तर पर आयोजित ब्रीफिंग सत्र में कृषि उत्पादन आयुक्त एवं प्रमुख सचिव तथा भारत सरकार के नोडल अधिकारियों द्वारा योजनाओं की स्थिति पर चर्चा की गई। इसके पश्चात दल ने ग्रामीण क्षेत्रों का भ्रमण कर प्रशिक्षण गतिविधियों, प्रयोगशालाओं एवं पशु प्रजनन प्रक्षेत्रों का अवलोकन किया। बालोद जिले के गुण्डरदेही एवं डौंडी विकासखंड में बिहान योजना से जुड़ी पशु सखियों से कार्यप्रणाली की जानकारी ली गई।

प्रदेश में पशुधन योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन कि सराहना की उद्यमिता विकास कार्यक्रम के अंतर्गत संचालित बकरी पालन इकाइयों, हैचरी यूनिटों तथा दुग्ध संकलन केंद्रों का निरीक्षण कर पशुपालकों से संवाद किया गया। दुर्ग स्थित दुग्ध संघ संयंत्र में दुग्ध प्रसंस्करण एवं पैकेजिंग व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई। साथ ही पशु चिकित्सालयों एवं मोबाइल वेटेरिनरी इकाइयों में उपलब्ध दवाइयों व उपकरणों की जांच कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। प्रवास के दौरान बालोद जिले में आयोजित जिला स्तरीय पशु मेले में भी दल ने सहभागिता की।

राष्ट्रीय गोकुल मिशन अंतर्गत टीम ने पशु चिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय, अंजोरा, दुर्ग का भ्रमण किया तथा प्रशिक्षण कार्यक्रमों की जानकारी प्राप्त की। साथ ही मैत्री एवं एवीएफओ रिफ्रेशर ट्रेनिंग संस्थान तथा शासकीय पशु प्रजनन प्रक्षेत्र स्थित ई.टी.टी.-आई.वी.एफ प्रयोगशाला का निरीक्षण किया गया। जिला बालोद के विकासखंड गुण्डरदेही एवं डौंडी में बिहान अंतर्गत कार्यरत 35 पशु सखियों से संवाद कर उनकी कार्यप्रणाली की जानकारी ली गई। नेशनल लाइवस्टॉक मिशन अंतर्गत ग्राम भरदा (दुर्ग) में देवनाथ देशमुख, नवागांव (बेमेतरा) में मनीषा राजपूत तथा बालोद जिले के ग्राम गब्दी एवं बरही में संचालित बकरी इकाइयों की कार्यप्रणाली की जानकारी ली गई। इसके अलावा बेमेतरा जिले के ग्राम खर्रा एवं सुरहोली स्थित स्काईलार्क हैचरी तथा बालोद जिले की एबीस हैचरी यूनिट का भी निरीक्षण किया गया। नेशनल प्रोग्राम फॉर डेयरी डेवलपमेंट अंतर्गत टीम ने उरला (दुर्ग) स्थित छत्तीसगढ़ सहकारी दुग्ध महासंघ प्लांट का भ्रमण कर दुग्ध प्रसंस्करण, पैकेजिंग, घी एवं मक्खन निर्माण इकाई का अवलोकन कर जानकारी ली। बालोद जिले के अर्जुंदा तथा बेमेतरा जिले के सरदा एवं मौली भाठा स्थित दुग्ध संकलन केंद्रों का निरीक्षण कर पशुपालकों से चर्चा की गई।

इसी तरह लाइवस्टॉक हेल्थ एवं डिजीज कंट्रोल प्रोग्राम के तहत बेमेतरा जिले में कोल्ड केबिनेट एवं शीत श्रृंखला उपकरणों का निरीक्षण किया। पशु चिकित्सालयों एवं मोबाइल वेटेरिनरी यूनिट में उपलब्ध दवाईयों, टीकाकरण सामग्री एवं उपकरणों की जांच कर आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। ग्राम बोहारडीह (बेमेतरा) के उन्नत पशुपालक मानसिंह वर्मा के डेयरी फार्म का भी अवलोकन किया गया। दौरे के दौरान जिला बालोद के ग्राम भेंगारी में आयोजित जिला स्तरीय पशु मेला में केन्द्रीय पर्यवेक्षकों की टीम शामिल हुई। टीम ने पशुपालकों से सीधे संवाद कर योजनाओं से मिल रहे लाभ एवं पशुपालन गतिविधियों की विस्तृत जानकारी प्राप्त की।

श्रम विभाग द्वारा घर पहुंच दिलाया जा रहा योजना का लाभ

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार द्वारा श्रमिकों एवं उनके परिजनों के बेहतरी के लिए विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही है। इसी क्रम में श्रम विभाग के अधीन संचालित छ0ग0 भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल के अंतर्गत मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक मृत्यु एवं दिव्यांग सहायता योजना तहत पंजीकृत श्रमिक के मृत्यु उपरांत उनके वैध उत्तराधिकारी, नामिनी को योजनांतर्गत देय हितलाभ एक लाख रुपये का लाभ दिया जा रहा है।

मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले में विभाग द्वारा एक सतत अभियान चलाकर इस योजना के अंतर्गत पीड़ित परिवारों के घर पहुच जाँच कर उनको लाभ दिलाया जा रहा है। निर्माण श्रमिक, असंगठित कर्मकार एवं उनके परिवार को दुःख की घड़ी में आर्थिक सहायता प्रदान करना इस योजना का उद्देश्य है। अम्बागढ़ चौकी विकासखंड के ग्राम सोनसायटोला के पंजीकृत श्रमिक स्व. शम्भू राम के मृत्यु उपरांत यह राशि उनके उत्तराधिकारी फ्रिंतिन बाई को उनके खाते में हस्तांतरित की गयी। योजना अंतर्गत पंजीकृत निर्माण श्रमिक की सामान्य मृत्यु पर 1 लाख रूपए, कार्यस्थल पर दुर्घटना से मृत्यु होने पर 5 लाख रूपए कार्यस्थल पर दुर्घटना से स्थायी दिव्यंगता होने पर 2 लाख 50 हजार रूपए एवं अपंजीकृत निर्माण श्रमिक की कार्यस्थल पर दुर्घटना से मृत्यु होने पर 1 लाख रूपए की अनुदान राशि प्रदान किया जाता है। योजना अंतर्गत निर्माण श्रमिक का हिताधिकारी के रूप में भवन और अन्य सन्निर्माण कर्मकार न्यूनतम 90 दिवस पूर्व का पंजीयन होना अनिवार्य है। आवेदन के

स्वीकृति उपरांत योजना की राशि डी.बी.टी के माध्यम से नामिनी, वैध उत्तराधिकारी के खाते में स्थानांतरित की जाती है। इस योजना का लाभ लेने हेतु योजना के तहत् ऑनलाईन आवेदन करते समय पंजीयन प्रमाण पत्र की स्कैन कॉपी, आधार कार्ड की प्रति, बैंक पासबुक, पंजीकृत श्रमिक एवं नामिनी का आधार कार्ड एवं पूर्ण स्थायी पता के संबंध में प्रमाण पत्र, मोबाईल नंबर, मृत्यु प्रमाण पत्र तथा स्थायी दिव्यांगता होने पर डॉक्टर द्वारा जारी स्थायी दिव्यांगता प्रमाण पत्र इत्यादि मंडल द्वारा समय-समय पर जारी निर्देशानुसार अपलोड करना अनिवार्य होगा। विभाग द्वारा श्रमिकों को विभागीय योजनाओं का लाभ दिलाने पंचायत स्तर पर पंजीयन एवं नवीनीकरण का कार्य सतत् रूप से शिविरों के माध्यम से किया जा रहा है, इसका उद्देश्य श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करते हुए उनके जीवन स्तर को बेहतर बनाना है।

खास खबर

कबाड़ की आड़ में चोरी करने वाले दो गिरफ्तार

रायगढ़। कबाड़ खरीद-बिक्री के नाम पर चोरी की वारदातों को अंजाम देने वाले दो आरोपियों को तमनार पुलिस ने शिकायत के बाद गिरफ्तार किया है। पुलिस को क्षेत्र में लोहा चोरी की शिकायत मिलने पर कबाड़ी कारोबार से जुड़े लोगों से पूछताछ शुरू की गई, जिसके दौरान दो संदिग्धों पर संदेह गहराया। रविवार को तमनार थाना क्षेत्र के गारे निवासी विनोद राठिया ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसके ग्राम गारे स्थित भूमि पर बने लोहे के शेड से अज्ञात व्यक्ति आलवेस्टर सीट और लोहे के पाइप चोरी कर ले गया है। शिकायत के बाद पुलिस ने तत्काल क्षेत्र में कबाड़ का काम करने वाले लोगों से पूछताछ शुरू की। जांच के दौरान पुलिस को सूचना मिली कि वशीकूल इस्लाम और जयराम बेहरा कबाड़ खरीदने-बेचने की आड़ में चोरी की घटनाओं में शामिल रहते हैं। पूछताछ में दोनों ने ग्राम गारे में चोरी की बात स्वीकार की।

इंग्लैंड व इटली मैच पर ऑनलाइन बैटिंग कराते 2 खाइवाल गिरफ्तार

रायगढ़। चक्रधर नगर और साइबर थाना ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए सोमवार की शाम क्रिकेट पर ऑनलाइन सट्टा खिलाने वाले दो खाइवाल को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बोईरदादर इंडस्ट्रियल एरिया के श्याम फिनाइल उद्योग में छापेमारी कर दोनों को पकड़ा। शहर में क्रिकेट सट्टा खिलाने की शिकायत लगातार मिल रही थी। आरोपियों तक पहुंचने पुलिस मुखबिर के जरिए पतासाजी में जुटी थी। सूचना मिली कि विकास अग्रवाल नाम मोबाइल फोन से टी-20 क्रिकेट वर्ल्ड कप के इंग्लैंड और इटली के मैच पर ऑनलाइन सट्टा खिला रहा है। सूचना पर थाना चक्रधर नगर और साइबर सेल की टीम ने तत्काल घेराबंदी कर छापा मारा। इस दौरान विकास अग्रवाल और विनय अग्रवाल को फैक्ट्री के एक कमरे में बैठकर ऑनलाइन सट्टा खिलाते पकड़ा।

जंगली सूअर का शिकार गिरोह के 5 आरोपी पकड़ाए

राउरकेला। वन प्रभाग में वन्यजीव संरक्षण और जैव विविधता की सुरक्षा को लेकर वन विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। विभाग ने वराह का शिकार करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया। डीएफओ जशवंत सेठी के नेतृत्व में वन अधिकारियों ने गुप्त सूचना पर छापेमारी की। इस कार्रवाई में पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। उनके कब्जे से जंगली सूअर की खाल, मांस और शिकार में उपयोग किए जाने वाले घातक हथियार बरामद हुए। वन अधिकारियों ने बताया कि सुंदरगढ़ और राउरकेला के आसपास के जंगल लंबे समय से अवैध शिकारियों के निशाने पर हैं। इससे वन्यजीवों को नुकसान पहुंच रहा है और पर्यावरणीय संतुलन भी बिगड़ने का खतरा बढ़ गया है। अधिकारियों के अनुसार यह कार्रवाई वन विभाग की सतर्कता और त्वरित कार्रवाई का उदाहरण है।

वन विभाग की रेड : बंद राइसमिल में मिली करोड़ों की तेंदू-खैर लकड़ी

श्रीकंचनपथ न्यूज

जांजगीर चांपा। नवागढ़ थाना इलाके में बड़े पैमाने पर इमारती लकड़ी की तस्करी का खुलासा वन विभाग ने किया है। मुखबिर की सूचना पर वन विभाग की टीम ने नवागढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम भादा स्थित एक बंद राइस मिल परिसर में रेड किया। रेड के दौरान टीम को मौके से 15 ट्रक से अधिक तेंदू और खैर की लकड़ी मिली, जिसे वन विभाग ने जब्त कर लिया है। शुरुआती जांच के अनुसार लकड़ी की कीमत करीब 50 लाख बताई जा रही है।

दरअसल, वन विभाग को ट्रक और माजदा वाहन में बेशकीमती लकड़ी के परिवहन किए जाने की सूचना मिली थी। खबर मिलने के बाद रायगढ़ वन विभाग की उड़नदस्ता टीम जांजगीर चांपा के नवागढ़ थाना के भादा ग्राम पहुंची। जिसके बाद बंद पड़े राइस मिल के गोदाम को जांचा गया। जांच में वहां से करीब 15 ट्रक कीमती लकड़ी बरामद हुआ। बंद पड़े राइस मिल से जो लकड़ी बरामद की गई है वो तेंदू और खैर पेड़ की है।

वन मंडलाधिकारी हिमांशु डोंगरे बताया, भादा गांव के बंद राइस मिल परिसर में अवैध आरा मिल संचालित होने और लकड़ी का अवैध भंडारण मिला है। मौके से तेंदू और खैर की लकड़ी बरामद हुई, जिनका व्यापार बिना अनुमति प्रतिबंधित है। टीम पहुंचने से पहले कर्मचारी फरार हो गए थे। पूरे परिसर को सील कर लकड़ियों की गिनती की जा रही है। एक मजदा और ट्रक में लदी लकड़ी को डिपो भेजा गया है। जांच के दौरान एक डायरी भी मिली है, जिसमें वाहनों की आवाजाही का विवरण दर्ज है।

तेंदू लकड़ी से बंदूक की बट बनाई जाती है, खैर से पान का कत्था बनाया जाता है

वन अधिकारियों के अनुसार तेंदू की लकड़ी का उपयोग 12 बोर बंदूक की मुट्ठी बनाने में होता है, जबकि खैर की लकड़ी से कत्था तैयार किया जाता है। प्राथमिक जानकारी में यह भी सामने आया है कि कुछ मामलों में खैर को चंदन बताकर बाहर बेचने की कोशिश की जाती रही है। पुलिस को उम्मीद है कि जांच के दौरान बड़े गिरोह का पर्दाफाश हो सकता है।

नशे में धुत युवकों ने कार डिवाइडर पर चढ़ाई

कोरबा में सबूत मिटाने नंबर प्लेट उखाड़ी

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। कोरबा में मानिकपुर चौकी क्षेत्र के अंतर्गत घंटाघर मिनिमाता कॉलेज मुख्य मार्ग पर एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। इस हादसे में कार का एयरबैग खुलने से चालक और उसमें सवार एक अन्य व्यक्ति की जान बच गई।

यह घटना देर रात की है, जब शराब के नशे में धुत कुछ युवक तेज रफ्तार कार चला रहे थे। नशे के कारण वे शहर के सबसे महत्वपूर्ण मार्ग पर भी नियंत्रण खो बैठे। अनियंत्रित कार सीधे नगर निगम के डिवाइडर से जा टकराई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे के बाद युवकों ने अपने कुछ दोस्तों को फोन किया। मौके पर पहुंचे दोस्तों ने सबसे पहले गाड़ी की नंबर प्लेट उखाड़ दी, ताकि वाहन की पहचान छिपाई जा सके।

सूचना मिलने के बाद डायल 112 और मानिकपुर चौकी पुलिस मौके पर पहुंची। घटनास्थल पर कार के भीतर और आसपास शराब की बोतलें बिखरी मिलीं। पुलिस ने शराब की बोतलों के साथ वाहन को जब्त कर लिया है। कुछ लोग इस मामले को सामान्य हादसा बताकर रफा-दफा करने का प्रयास कर रहे थे।

ऑपरेशन शंखनाद : झारखंड ले जा रहे 7 मवेशी छुड़ाए, तस्कर जंगल की ओर भागे

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुरनगर। जशपुर पुलिस ने 'ऑपरेशन शंखनाद' के तहत पशु क्रूरता और अवैध तस्करी के खिलाफ अभियान को और तेज कर दिया है। इस दौरान सिटी कोतवाली पुलिस ने ग्राम टिकैतगंज के जंगलों में दबिश देकर 7 मवेशियों को तस्करों के चंगुल से मुक्त कराया। हालांकि घने जंगल का फायदा उठाकर आरोपी मौके से फरार हो गए, जिनकी तलाश तेज कर दी गई है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार सोमवार सुबह करीब 11 बजे सूचना प्राप्त हुई कि कुछ संदिग्ध व्यक्ति गोवंशों को बेरहमी से पीटते हुए पैदल जंगल मार्ग से झारखंड की ओर ले जा रहे हैं।

सूचना को गंभीरता से लेते हुए वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में एक विशेष टीम तत्काल टिकैतगंज के जंगलों की ओर रवाना हुई।

टीम ने क्षेत्र में पहुंचकर रणनीतिक ढंग से घेराबंदी शुरू की। पुलिस को अपनी ओर बढ़ता देख आरोपी गोवंशों को वहीं छोड़कर घने जंगल की आड़ लेकर फरार हो गए। पुलिस ने मौके से 7 मवेशियों को सुरक्षित बरामद किया। सभी पशुओं का तत्काल पशु चिकित्सक से स्वास्थ्य परीक्षण कराया गया। मामले में छत्तीसगढ़ कृषक पशु परिरक्षण अधिनियम 2004 की धारा 4, 6 और 10 के तहत अपराध दर्ज किया गया है।

29 पेटी अवैध शराब जब्त 6 आरोपी गिरफ्तार

राजनांदगांव। अंतरराज्यीय अवैध शराब तस्करी के खिलाफ राजनांदगांव पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो अलग-अलग मामलों में कुल 29 पेटी मध्यप्रदेश निर्मित अंग्रेजी शराब जब्त की है। इस कार्रवाई में 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, साथ ही तस्करी में इस्तेमाल किए गए 2 चारपहिया वाहनों को भी जब्त किया गया है। पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा के निर्देशन में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर के मार्गदर्शन तथा नगर पुलिस अधीक्षक (साइबर) अलेक्जेंडर किरो और एसडीओपी डोंगरगढ़ केसरी नंदन नायक के पर्यवेक्षण में यह संयुक्त कार्रवाई की गई। इसमें साइबर सेल, थाना बागनदी और थाना डोंगरगढ़ की टीम शामिल रही।

हादसे में युवक की मौत, शव रख किया सड़क जाम

श्रीकंचनपथ न्यूज

जांजगीर। ग्राम छपोरा के पास मंगलवार को एक कैप्सूल ट्रक ने बाइक सवार युवक को अपनी चपेट में ले लिया। इसमें युवक का पैर बुरी तरह टूट गया और हड्डी बाहर निकल आई। उसके सिर पर भी गंभीर चोट लगी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना से नाराज ग्रामीणों ने छपोरा-हसौद मार्ग पर शव रखकर चक्काजाम कर दिया। मुआवजे के आश्वासन पर करीब 3 घंटे बाद आंदोलन समाप्त हुआ। इधर, चालक सदान अहमद को पुलिस ने हसौद थाना के पास पकड़ लिया। वाहन भी जब्त कर लिया गया है।

ग्राम छपोरा निवासी तरुण कुमार दोपहर करीब 12 बजे किसी काम से अपनी बाइक लेकर घर से

निकला था। वह छपोरा पुलिस चौकी के पास पहुंचा ही था कि सामने से आ रही कैप्सूल वाहन के चालक ने लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाते हुए उसके बाइक को टक्कर मार दी।

टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ट्रक का लोहे का हिस्सा उसके सिर पर जा लगा। घटना की सूचना मिलते ही गांव में अफरा-तफरी मच गई और मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई, लेकिन तब तक तरुण दम तोड़ चुका था। इसके बाद ग्रामीणों ने मुआवजे और आरोपी चालक के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग को लेकर शव को सड़क पर रख चक्काजाम कर दिया। तहसीलदार अनुज पटेल ने शासकीय सहायता राशि के रूप में 25 हजार रुपए देने की घोषणा की। वहीं, ट्रक मालिक की ओर से 50 हजार रुपए देने की बात कही गई। करीब तीन घंटे तक चला चक्काजाम समाप्त हो गया।

दुर्ग में मजदूर की सड़क हादसे में गई जान, इलाज के दौरान तोड़ा दम

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। दुर्ग जिले के अंडा थाना क्षेत्र में एक सड़क हादसे में 35 वर्षीय युवक की मौत हो गई। यह घटना मंगलवार को रिसामा रोड पर हुई, जहां बाइक का स्टैंड खुला रह जाने से वाहन अनियंत्रित होकर गिर गया। घायल युवक ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

मृतक की पहचान ग्राम रिसामा निवासी शेखर निर्मलकर पुत्र चोवा राम निर्मलकर के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, 17 फरवरी की सुबह करीब 11:30 बजे शेखर अपने साथी विष्णु के साथ मोटरसाइकिल से रिसामा रोड की ओर जा रहे थे।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, राइस मिल के पास अचानक बाइक अनियंत्रित होकर गिर गई। मौके पर सड़क पर स्टैंड घसीटने के स्पष्ट निशान मिले हैं, जिससे आशंका जताई जा रही है कि बाइक का स्टैंड खुला रह गया था, जिसके कारण यह हादसा हुआ।

घटना के बाद गंभीर रूप से घायल शेखर को तत्काल जिला अस्पताल दुर्ग में भर्ती कराया गया। उपचार के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया।

थाना अंडा प्रभारी पारस ठाकुर ने घटना की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि मामले में पंचनामा कार्रवाई कर शव का पोस्टमार्टम कराया गया है और आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की जा रही है। पुलिस टीम मामले की जांच में जुटी हुई है।

शेखर निर्मलकर मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। उनके माता-पिता भी गांव में मजदूरी करते हैं। उनके परिवार में पत्नी के साथ 15 वर्षीय बेटा और 10 वर्षीय बेटी हैं।

कट्टे की नोक में लूटपाट के आरोपियों को किया गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

कवर्धा। थाना पिपरिया क्षेत्र अंतर्गत ग्राम सिंघनपुरी से सोनबरसा जाने वाले मार्ग पर लूट की घटना घटित हुई। प्रार्थी पार्वती वर्मा पति सुरेन्द्र वर्मा उम्र 45 वर्ष निवासी केशडबरी थाना साजा जिला बेमेतरा द्वारा सूचना दी गई कि वे अपने पति के साथ मोटरसाइकिल से अपने भाई के घर ग्राम सोनबरसा जा रही थीं। इसी दौरान दो मोटरसाइकिलों में सवार चार आरोपियों द्वारा कट्टा दिखाकर डराया-धमकाया गया तथा उनके गले में पहने पुराने इस्तेमाली सोने के हार, दो नग सोने के झुमके एवं सोने की पत्ती माला छीनकर फरार हो गए।

घटना की सूचना मिलते ही थाना पिपरिया पुलिस द्वारा तत्काल मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की गई। पीड़िता एवं उसके पति के शोर मचाने पर आसपास के ग्रामीणों एवं राहगीरों द्वारा साहस दिखाते हुए आरोपियों का पीछा किया गया। ग्रामीणों के सहयोग से भाग रहे आरोपियों में से दो आरोपियों को मौके पर ही पकड़ लिया गया।

पकड़े गए आरोपियों की पहचान मंजीत उर्फ मोनू पिता अजब सिंह निवासी सरीफपुर थाना सिंहबाउली जिला हापुड़ तथा पवन कुमार पिता रमेश कुमार निवासी बुआड़काला थाना खतौली जिला मुजफ्फरनगर (उत्तर प्रदेश) के रूप में हुई है। पुलिस द्वारा आरोपियों के कब्जे से एक देसी कट्टा एवं घटना में प्रयुक्त दोनों मोटरसाइकिल तत्काल बरामद कर ली गई। शेष दो फरार आरोपियों की पतासाजी हेतु पुलिस टीम रवाना कर दी गई है तथा संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दी जा रही है। घटना में लूटे गए मशरूका की कुल अनुमानित कीमत लगभग 1,65,000 रुपये है। घटना के दौरान प्रार्थी के गले एवं कलाई में चोट-खरोंच आई है, जिन्हें प्राथमिक उपचार प्रदान किया गया है।

जांच में यह तथ्य सामने आया है कि पकड़े गए दोनों आरोपी उत्तर प्रदेश के निवासी हैं तथा इनके विरुद्ध पूर्व से हत्या के प्रयास, मारपीट एवं लूट जैसे गंभीर अपराध उत्तर प्रदेश के विभिन्न थानों में पंजीबद्ध हैं। आरोपी पवन कुमार के विरुद्ध गैंगस्टर एवं एंटी सोशल एक्टिविटीज प्रिवेंशन एक्ट के तहत कार्यवाही होना भी ज्ञात हुआ है।

चलती कार में लगी आग कूदकर बचाई जान

कोरबा। जिले के ग्राम कापा नवापारा के जंगल रास्ते से गुजरते वक्त चलती कार में एकाएक आग लग गई। आग लगते ही चालक ने किसी तरह कूद कर अपनी जान बचाई। इसके बाद लहराती कार सड़क से उतर कर पेड़ से टकरा कर रुक गई। घटना शाम करीब 5 बजे की है। बताया जा रहा है कि कार अम्बिकापुर की तरफ से आकर बिलासपुर जा रही थी। इस घटना से बचने के प्रयास में चालक के कपड़ों में आग लग गई थी जिसे बुझाकर खुद को सुरक्षित किया। घटना की जानकारी स्थानीय लोगों ने डायल 112 को दी। मदद के लिये 112 आने में विलम्ब होने पर चालक ने बाइक से लिफ्ट ले लिया।

डोंगरगढ़ में सट्टा लिखते आरोपी गिरफ्तार

डोंगरगढ़। डोंगरगढ़ पुलिस ने अवैध सट्टा गतिविधियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से सट्टा-पट्टी, नगदी और मोबाइल सहित कुल 6020 रुपये का सामान जब्त किया है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, आरोपी रेहान अहमद (50 वर्ष), निवासी कश्मीरी पारा वार्ड क्रमांक 24 डोंगरगढ़, अपने घर के पास गली में सट्टा लिखते पकड़ा गया। मुखबिर से सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की और आरोपी को अंकों पर दांव लगाते हुए रंगे हाथ पकड़ लिया।

तलाशी के दौरान आरोपी के पास से सट्टा-पट्टी, एक डॉट पेन, 1020 रुपये नगद और एक वीवो कंपनी का मोबाइल फोन (कीमत लगभग 5000 रुपये) जब्त किया गया। आरोपी के खिलाफ छत्तीसगढ़ जुआ (प्रतिषेध) अधिनियम 2022 की धारा 6 के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया।

यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा के निर्देशन और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर के मार्गदर्शन में, एसडीओपी केसरी नंदन नायक के पर्यवेक्षण तथा थाना प्रभारी संतोष जायसवाल के नेतृत्व में की गई।

पुलिस ने बताया कि क्षेत्र में अवैध गतिविधियों पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। गश्त, नाकाबंदी और होटल-ढाबों की जांच के माध्यम से असामाजिक तत्वों पर कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी।

जमीन के पैसों पर विवाद, बेटे को जलाने की कोशिश

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुरनगर। नारायणपुर क्षेत्र में जमीन बिक्री से मिले पैसों के विवाद ने एक परिवार को बर्बादी के कगार पर पहुंचा दिया। पिता ने अपने ही बेटे पर पेट्रोल डालकर आग लगाने की कोशिश की, जिससे युवक गंभीर रूप से झुलस गया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पिता और इनका साथ देने वाली मां और भाई को गिरफ्तार कर लिया है।

जानकारी के अनुसार उनका विवाद दो साल से चल रहा था। आरोपी शिवशंकर यादव (55) ने परिवार की पैतृक जमीन बेच दी थी। बेटा कौशल यादव (30) लंबे समय से अपने हिस्से की रकम की मांग कर रहा था। इसी मुद्दे को लेकर परिवार में अक्सर विवाद की स्थिति बनती रहती थी। 13

फरवरी को इसी विवाद ने हिंसक रूप ले लिया।

प्रार्थिया कामना भगत, जो घायल कौशल की पत्नी हैं, पुलिस को बताया कि घटना वाले दिन घर में हिस्से की राशि को लेकर बहस शुरू हुई। देखते ही देखते स्थिति बिगड़ गई और आरोपी पिता शिवशंकर यादव, मां चन्द्रमनी भगत (47) और भाई अंकुश यादव (27) ने मिलकर कौशल के साथ गाली-गलौज और मारपीट शुरू कर दी। आरोप है कि इसी दौरान पिता ने पेट्रोल लाकर कौशल के ऊपर उड़ेल दिया और जलती हुई माचिस फेंक दी। कुछ ही पलों में कौशल आग की लपटों से घिर गया और बुरी तरह झुलस गया। घटना के बाद परिजन और आसपास के लोगों ने किसी तरह आग बुझाई और गंभीर रूप से घायल कौशल को तत्काल अंबिकापुर के होलीक्रॉस अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। चिकित्सकों की निगरानी में उसका उपचार जारी है।

15 फरवरी को अस्पताल चौकी से सूचना मिलने के बाद नारायणपुर पुलिस सक्रिय हुई और मामले की जांच शुरू की। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धाराओं 296, 351(3), 115(2), 109(1) और 3(5) के तहत अपराध दर्ज किया। प्रारंभिक जांच और साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने 24 घंटे के भीतर घेराबंदी कर तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने अपना जुर्म स्वीकार कर लिया है। इसके बाद उन्हें न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया। पुलिस मामले की विस्तृत जांच कर रही है।

पान व कॉस्मेटिक दुकान में पिलाते थे हुक्का, गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। कोतवाली और साइबर थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने रेलवे स्टेशन रोड स्थित पान और कॉस्मेटिक दुकान के संचालक को सार्वजनिक स्थान पर युवक-युवतियों को हुक्का पिलाने की सुविधा उपलब्ध कराने के आरोप में गिरफ्तार किया। पुलिस ने दुकान से हुक्का पॉट और फ्लेवर तंबाकू भी जब्त किया है।

सूचना मिली थी कि रेलवे स्टेशन के पास शंकर पान और कॉस्मेटिक दुकान में संदेहास्पद गतिविधियां हो रही हैं। इस पर टीम ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की। जांच में पाया गया कि दुकान संचालक गिरीश भाटिया (36 वर्ष), निवासी पक्की खोली, चक्रधर नगर रायगढ़, दुकान में सार्वजनिक रूप से हुक्का पिलाने की सुविधा दे रहा था, जिसमें फ्लेवर युक्त तंबाकू का उपयोग किया जा रहा था। दुकान संचालक का यह कार्य सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम 2003 (कोटपा एक्ट) का उल्लंघन पाया गया। पुलिस ने दुकान में रखे हुक्का पॉट और फ्लेवर तंबाकू जब्त कर आरोपी के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की है।

गोबर गैस टैंक में मिला 2 वर्षीय मासूम का शव

कोरबा। दर्री थाना क्षेत्र के बरेलीमुंडा गोपालपुर गांव में दो वर्षीय मासूम की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत से इलाके में सनसनी फैल गई है। लापता बालक का शव घर के पास बने गोबर गैस टैंक में मिलने से परिजनों में शोक की लहर है। मृतक हर्ष कंवर कल दोपहर से लापता था। परिजन रातभर उसकी तलाश करते रहे, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला। गुरुवार सुबह घर की बाड़ी में स्थित बंद गोबर गैस टैंक में उसका शव बरामद हुआ। हर्ष के माता-पिता रोजी-रोटी के लिए तमिलनाडु गए हुए हैं और बच्चे को गांव में दादा प्रताप कंवर और दादी के पास छोड़ गए थे।

घटना की सूचना मिलते ही दर्री थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

खास खबर

मुख्यमंत्री से महामंडलेश्वर डॉ. गिरी ने की भेंट

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से निरंजन पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर डॉ. स्वामी कैलाशनंद गिरी जी महाराज ने सौजन्य भेंट की। मुख्यमंत्री श्री साय ने निरंजन पीठाधीश्वर श्री श्री 1008 आचार्य महामंडलेश्वर डॉ. स्वामी कैलाशनंद गिरि जी महाराज के साथ विभिन्न आध्यात्मिक विषयों पर चर्चा की और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री रामविचार नेताम, खाद्य मंत्री दयाल दास बघेल, स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव, महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष गौरीशंकर अग्रवाल सहित अन्य उपस्थित थे।

छत्रपति वीर शिवाजी महाराज की जयन्ती पर नाटक कल

रायपुर। छत्रपति शिवाजी महाराज की जयन्ती 19 फरवरी को प्रातः 11 बजे रायपुर नगर पालिक निगम के संस्कृति विभाग के तत्वावधान में राजधानी शहर रायपुर के जी ई मार्ग में तात्यापारा चौक (मेजर यशवंत गोरे चौक) के किनारे स्थित छत्रपति शिवाजी महाराज की अश्वारोही प्रतिमा स्थल के समक्ष उन्हें सादर नमन करने पुष्पांजलि कार्यक्रम का आयोजन रखा गया है। प्रतिमा स्थल के प्रांगण का संधारण और प्रतिमा स्थल प्रांगण सहित उसके आसपास के क्षेत्र की विशेष सफाई, प्रतिमा स्थल की पुष्प सज्जा सहित आवश्यकतानुसार पेयजल की व्यवस्था रायपुर नगर पालिक निगम के संस्कृति विभाग के तत्वावधान में रायपुर नगर पालिक निगम के सम्बंधित जोन क्रमांक 2 के सहयोग से की जायेगी। युवा आयोग द्वारा छत्रपति शिवाजी के जीवन पर आधारित जार्णता राजा का मंचन साइंस कॉलेज मैदान में किया जाएगा। इस नाटक को भव्य तरीके से प्रदर्शित किया जाएगा।

पर्यटन स्थलों के विकास और सुविधाओं के विस्तार के लिए सरकार प्रतिबद्ध – मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कोरिया प्रवास के दौरान पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा बैकुंठपुर स्थित प्रसिद्ध झुमका पर्यटन स्थल में निर्मित ओपन थिएटर का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने झुमका जलाशय में बोटिंग करते हुए क्षेत्र के मनोहारी प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद लिया तथा पर्यटन सुविधाओं का अवलोकन किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने झुमका जलाशय में शिकारा पर सवार होकर नौका विहार किया। चारों ओर हरियाली, शांत जलराशि और कमल के फूलों से सजा यह रमणीय स्थल अब एक आकर्षक पिकनिक स्पॉट के रूप

में उभर रहा है। मुख्यमंत्री ने यहां बोटिंग, वाटर स्पोर्ट्स सहित विकसित पर्यटन गतिविधियों की जानकारी ली।

श्री साय ने लगभग 27 लाख रुपए की लागत से निर्मित ओपन थिएटर का लोकार्पण किया।500 दर्शकों की बैठक क्षमता वाला यह ओपन थिएटर सांस्कृतिक आयोजनों के लिए नया केंद्र बनेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि झुमका जलाशय केवल कोरिया जिले की पहचान ही नहीं, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ में पर्यटन की अपार संभावनाओं का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पर्यटन स्थलों के विकास, सौंदर्यीकरण और आधुनिक सुविधाओं के विस्तार के लिए निरंतर कार्य कर रही है, ताकि छत्तीसगढ़ को देश के प्रमुख पर्यटन स्थलों में स्थापित किया जा सके।

किसानों, महिलाओं और जनजातीय समाज के सशक्तिकरण से समृद्ध होगा छत्तीसगढ़ : मुख्यमंत्री

70 करोड़ से अधिक के 104 कार्यों का लोकार्पण, 85.54 करोड़ के 40 कार्यों का भूमिपूजन-शिलान्यास

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बैकुंठपुर में तीन दिवसीय सांस्कृतिक आयोजन कोरिया महोत्सव का शुभारंभ करते हुए कोरिया जिलेवासियों को 156 करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों की ऐतिहासिक सौगात दी। इस अवसर पर उन्होंने 70 करोड़ रुपये से अधिक लागत के 104 कार्यों का लोकार्पण तथा 85 करोड़ 54 लाख रुपये से अधिक के 40 कार्यों का भूमिपूजन एवं शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह विकास कार्य केवल निर्माण परियोजनाएँ नहीं, बल्कि कोरिया जिले की समृद्धि, आत्मनिर्भरता और उज्ज्वल भविष्य के मजबूत आधार स्तंभ हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने अपने संबोधन में कहा कि छत्तीसगढ़ को संपन्न और समृद्ध प्रदेश के रूप में विकसित करना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि प्रदेश कृषि प्रधान राज्य है और किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुए सरकार लगातार ऐतिहासिक निर्णय ले रही है। राज्य सरकार ने अपने अधिकांश वादों को अल्प समय में पूरा कर दिखाया है तथा प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रदेश की जनता से किए गए विकास संबंधी वादों को भी दो वर्षों के भीतर धरातल पर उतारा गया है।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले समय में सभी शेष संकल्प भी पूर्ण किए जाएंगे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने किसानों के हित में लिए गए निर्णयों का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रदेश में प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान खरीदी और 3100 रुपये प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य दिया जा रहा है। हाल ही में खरीदे गए धान की अंतर राशि होली से पहले किसानों के खातों में स्थानांतरित कर दी जाएगी, जिसके अंतर्गत लगभग 10 हजार करोड़ रुपये किसानों को मिलेंगे। महतारी वंदन योजना के तहत प्रदेश की 70 लाख महिलाओं को प्रतिमाह एक हजार रुपये प्रदान किए जा रहे हैं और अब तक 15 हजार करोड़ रुपये वितरित किए जा चुके हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रदेश की प्राकृतिक संपदा का उल्लेख करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ खनिज और वन संपदा से भरपूर है तथा खनिजों के वैल्यू एडिशन पर विशेष जोर देकर आर्थिक विकास को नई दिशा दी जा रही है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि कोरिया जिले में पर्यटन की बेहद संभावनाएं हैं। उन्होंने जिले के विकास को गति देने के लिए देवगढ़ छुरी धाम को पर्यटन क्षेत्र के रूप में विकसित करने, पुलिस चौकी पोड़ी को थाना का दर्जा देने, पुलिस सहायता केंद्र पंडोपारा को चौकी में उन्नत करने, पीडब्ल्यूडी कार्यालय भवन एवं जिला पुरातत्व कार्यालय स्थापित करने तथा फूलपुर में अधोसंरचना निर्माण एवं ट्रांजिट हॉस्टल निर्माण की घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने जिले में आवागमन सुविधा सुदृढ़ करने के लिए कई सड़क और पुल-पुलिया निर्माण कार्यों की भी घोषणा की। उन्होंने कोरिया से छिंदया शिवपुर गांव तक लगभग 8 करोड़ रुपये की लागत से पुल-पुलिया निर्माण, कुषहा से घुघरा मार्ग पर 6 करोड़ रुपये की लागत से पुल-पुलिया निर्माण तथा 18 करोड़ रुपये की लागत से सलका बाईपास निर्माण की घोषणा की। उन्होंने कहा कि बेहतर कनेक्टिविटी से आर्थिक गतिविधियों को नई गति मिलेगी और ग्रामीण क्षेत्रों का विकास तेज होगा।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने कोरिया महोत्सव को जिले का विशेष तिहार बताते हुए मुख्यमंत्री को विकास कार्यों के लिए धन्यवाद दिया। महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कई योजनाएँ संचालित की जा रही हैं तथा मुख्यमंत्री द्वारा जिले की छह महिलाओं को पिंक ई-रिक्शा प्रदान करना सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने सांस्कृतिक आयोजन को स्थानीय प्रतिभाओं के लिए महत्वपूर्ण मंच बताया।

इस अवसर पर विधायक भैयालाल राजवाड़े सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि 156 करोड़ रुपये के विकास कार्यों से जिले के विकास को नई दिशा मिलेगी। कार्यक्रम में संभागायुक्त नरेंद्र दुग्गा, आईजी दीपक झा, जिला पंचायत अध्यक्ष मोहित पैकरा, कलेक्टर चंदन त्रिपाठी, एसपी रविकुमार कुर्रे, जिला पंचायत सीईओ डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि एवं जिलेवासी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने कुम्हार चाक पर गढ़ा दीया, शिल्पकारों से किया आत्मीय संवाद

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का एक आत्मीय और सहज रूप उस समय देखने को मिला, जब उन्होंने कुम्हार के चाक पर स्वयं मिट्टी का दीया और कलश गढ़कर पारंपरिक शिल्प के प्रति सम्मान और जुड़ाव का सशक्त संदेश दिया।

सरगुजा विकास प्राधिकरण की बैठक में शामिल होने वे बैकुंठपुर पहुंचे थे। परिसर में स्व-सहायता समूहों एवं स्थानीय उत्पादों की प्रदर्शनी भी लगाई गई थी। इसी प्रदर्शनी में सोनहत विकासखंड निवासी शिल्पकार देवी दयाल प्रजापति इलेक्ट्रिक चाक पर दीया और कलश बनाने का सजीव प्रदर्शन कर रहे थे। मुख्यमंत्री श्री साय उनके स्टॉल पर पहुंचे और कुछ देर तक उनकी शिल्पकला का बारीकी से अवलोकन किया। उत्सुकता बढ़ने पर मुख्यमंत्री ने स्वयं चाक पर हाथ आजमाने की इच्छा व्यक्त की। शिल्पकार की सहमति से उन्होंने घूमते हुए चाक पर रखी गीली मिट्टी को हाथों से साधा और देखते ही देखते उसे सुंदर दीये का आकार दे दिया। मुख्यमंत्री की सहज कुशलता देखकर स्वयं शिल्पकार भी आश्चर्यचकित रह गए, वहीं उपस्थित जनसमूह ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ इस क्षण का स्वागत किया।

सरगुजा क्षेत्र एवं जनजातीय समाज का सर्वांगीण विकास सरकार की पहली प्राथमिकता : मुख्यमंत्री

सरगुजा क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण की बैठक में विकास कार्यों की समीक्षा

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में आज कोरिया जिले के बैकुंठपुर में आयोजित सरगुजा क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण की बैठक में सरगुजा संभाग के जिलों में संचालित विकास कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई तथा जनप्रतिनिधियों के सुझावों के आधार पर नई योजनाओं को स्वीकृति प्रदान की गई।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार ने सरगुजा और बस्तर क्षेत्रों के विकास को प्राथमिकता में रखा है।प्राधिकरण के माध्यम से पिछड़े एवं वनांचल क्षेत्रों को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरगुजा क्षेत्र के सर्वांगीण

विकास, जनजातीय समाज के सशक्तिकरण और क्षेत्र की समृद्धि के लिए सरकार पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है और सभी के सहयोग से इस क्षेत्र को प्रगति के नए शिखर पर पहुंचाया जाएगा।

बैठक में वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए प्राधिकरण हेतु 50 करोड़ रुपये के बजट प्रावधान को स्वीकृति प्रदान की गई। क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों द्वारा प्रस्तुत प्रस्तावों के आधार पर 543 विकास कार्यों के लिए 4905.58 लाख रुपये की वित्तीय स्वीकृति दी गई, जबकि वर्ष 2024-25 में स्वीकृत 606 कार्यों को भी औपचारिक अनुमोदन प्रदान किया गया। मुख्यमंत्री श्री साय ने सभी स्वीकृत कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने तथा लंबित कार्यों को मार्च तक पूरा करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने बैठक में स्पष्ट कहा कि पेयजल जैसी मूलभूत सुविधा में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी। उन्होंने गर्मी के मौसम में पर्याप्त पेयजल उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बताया गया कि प्रधानमंत्री जनमन योजना के अंतर्गत मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के सोनहत विकासखंड में विद्युतीकरण का कार्य तेजी से जारी है। मुख्यमंत्री श्री साय ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि स्वीकृत कार्यों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा किया जाए, ताकि विकास योजनाओं का लाभ सीधे जनजातीय एवं वनांचल क्षेत्रों के लोगों तक पहुंच सके।

साय सरकार की नीतियों से बदली बस्तर की तस्वीर, नक्सलगढ़ बन गया राज्य का पर्यटन हब

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। कभी नक्सल प्रभावित राज्य की छवि से पहचाना जाने वाला छत्तीसगढ़ अब तेजी से देश के उभरते पर्यटन हब के रूप में अपनी पहचान बना रहा है। प्राकृतिक सौंदर्य, प्राचीन विरासत और जीवंत आदिवासी संस्कृति से समृद्ध यह प्रदेश अब नई नीतियों और आधारभूत ढांचे के विकास के कारण राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बनता जा रहा है।

राज्य सरकार की प्राथमिकता में सुरक्षा, कनेक्टिविटी और पर्यटन अधोसंरचना को शीर्ष स्थान दिया गया है। नई औद्योगिक नीति 2024-30 में पर्यटन को उद्योग का दर्जा देकर निवेशकों को सब्सिडी, टैक्स छूट और प्रोत्साहन प्रदान किए गए हैं। राज्य में इको-एथनिक और एडवेंचर टूरिज्म के लिए करोड़ों रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। बस्तर संभाग

की पहचान उसकी जीवंत परंपराओं से है। गोंड, मुरिया, हल्बा और बैगा जनजातियों की जीवनशैली, पारंपरिक भोजन, हस्तशिल्प और लोकनृत्य पर्यटकों को विशेष रूप से आकर्षित करते हैं। पंथी, राउत नाचा, सुवा और कर्मा जैसे लोकनृत्य प्रदेश की सांस्कृतिक पहचान बन चुके हैं।

प्रदेश में स्थित प्राकृतिक, ऐतिहासिक और धार्मिक स्थल तेजी से पर्यटकों की पसंद बन रहे हैं। छत्तीसगढ़ पर्यटन के क्षेत्र में अपनी विविधताओं से देश-विदेश के सैलानियों को लुभा रहा है। चित्रकोट जलप्रपात, जिसे एशिया का नियाग्रा कहा जाता है, एडवेंचर प्रेमियों का पसंदीदा स्पॉट है। जशपुर का मधेश्वर पर्वत आकर्षित करता है, जो विश्व का सबसे बड़ा प्राकृतिक शिवलिंग है। रहस्यमयी कुटुमसर गुफाएं एडवेंचर थ्रिल प्रदान करती हैं। रामगढ़ की प्राचीन नाट्यशाला राम वनवास स्थल के रूप में धार्मिक विरासत का जीवंत प्रतीक है। डोंगरगढ़ की मां बम्लेश्वरी धार्मिक पर्यटन का प्रमुख केंद्र बनी हुई है। ये सभी स्थल राज्य सरकार की विकास योजनाओं से और समृद्ध हो रहे हैं। यूएनडब्ल्यूटीओ द्वारा सर्वश्रेष्ठ पर्यटन ग्राम के रूप में चयनित धुड़मारास गांव ने छत्तीसगढ़ की आदिवासी संस्कृति को वैश्विक पहचान दिलाई है। इन स्थलों के आसपास सड़क, प्रकाश व्यवस्था, सुरक्षा और पर्यटक सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है, जिससे पर्यटकों की संख्या लगातार बढ़ रही है। सरकार की योजनाओं से पर्यटन केवल भ्रमण तक सीमित नहीं रहा, बल्कि स्थानीय रोजगार का बड़ा स्रोत बनता जा रहा है। होम-स्टे, हस्तशिल्प, भोजन और गाइड सेवाओं के माध्यम से आय में वृद्धि हो रही है। आने वाले वर्षों में छत्तीसगढ़ देश के प्रमुख इको-कल्चरल पर्यटन राज्यों में शामिल हो सकता है।

साय ने बहनों को सौंपी आत्मनिर्भरता की चाबी

उज्ज्वला गैस, पिंक ई-रिक्शा और गार्बेज रिक्शा वितरण से महिलाओं को मिला नया संबल

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज कोरिया प्रवास के दौरान कोरिया महोत्सव के शुभारंभ अवसर पर विभिन्न जन-कल्याणकारी योजनाओं के अंतर्गत हितग्राहियों को हितग्राहीमूलक सामग्री का वितरण कर लाभान्वित किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कार्यक्रम में 105 पात्र हितग्राहियों को प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के अंतर्गत गैस कनेक्शन प्रदान किए। उन्होंने कहा कि इस योजना से अब इन परिवारों को धुएं से मुक्ति मिलने के साथ सुरक्षित, स्वच्छ और स्वास्थ्य के अनुकूल ईंधन की सुविधा उपलब्ध होगी, जिससे महिलाओं के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आएगा।

हितग्राहीमूलक सामग्रियों का किया वितरण

इस अवसर पर स्व-रोजगार और महिला सशक्तिकरण को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से 6 आजीविका दीदियों को पिंक ई-रिक्शा (ग्रामीण आजीविका एक्सप्रेस) प्रदान किए गए। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पहल महिलाओं की आय बढ़ाने के साथ उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी नई गति प्रदान करेगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने जिले की स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए 14 स्वच्छता दीदियों को गार्बेज रिक्शा भी वितरित किए। उन्होंने कहा कि स्वच्छता केवल व्यवस्था नहीं बल्कि जनभागीदारी का अभियान है, और इस दिशा में महिलाओं की भागीदारी सराहनीय है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है, ताकि समाज का प्रत्येक वर्ग विकास की मुख्यधारा से जुड़ सके। उन्होंने कहा कि सरकार जनकल्याण और आत्मनिर्भरता के संकल्प के साथ निरंतर कार्य कर रही है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950